CNEWS सिटी चीफ

# सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-310
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, सोमवार 12 फरवरी 2024

**आज का विचार**

उठो जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको-
स्वामी विवेकानंद

पेज-04

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा बोले-

## अंतरिम बजट में कोई नई घोषणा नहीं, योजनाएं थमे नहीं इसलिए लेखानुदान

**भोपाल।** डॉ. मोहन यादव सरकार सोमवार को मध्य प्रदेश विधानसभा में वर्ष 2024-25 के लिए लेखानुदान प्रस्तुत करेगी। इससे पहले वित्त मंत्री और उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा का बयान सामने आया है। देवड़ा ने कहा कि चार महीने तक सभी योजनाएं चलती रहे, इसके लेखानुदान लाया जा रहा है। सभी योजनाएं यथावत चलती रहेंगी। नई योजना शुरू नहीं की जाएगी। लेखानुदान या अंतरिम बजट के माध्यम से विभागों को अप्रैल से जुलाई 2024 तक विभिन्न योजनाओं में राशि व्यय करने के लिए आवंटित की जाएगी। यह सभी वर्गों को साधने और संकल्प पत्र की पूर्ति की दिशा में कदम बढ़ाने वाला होगा। सरकार लोकसभा चुनाव के बाद जुलाई में पूर्ण बजट प्रस्तुत करेगी। उप मुख्यमंत्री वित्त जगदीश देवड़ा सोमवार को लेखानुदान प्रस्तुत करेंगे। उनका भाषण होगा, जिसमें वे प्रदेश की वित्तीय स्थिति का ब्योरा रखेंगे। अभी तक अर्जित सफलताओं का

उल्लेख करते हुए सरकार की प्राथमिकताएं बताएंगे। मोटे अनाज की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना अंतर्गत प्रति क्विंटल दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि के लिए प्रावधान किया जाएगा। तीन वर्षों के लिए 105 करोड़ रुपये की स्वीकृति सरकार ने दी है। प्रदेश में अधोसंरचना विकास के लिए सात एक्सप्रेस वे बनाए जा रहे हैं। इसके लिए लेखानुदान में अंशदान रखा जाएगा। लाड़ली बहना को प्रतिमाह दी जाने वाली एक हजार 250 रुपये की राशि के हिसाब से चार माह का आवंटन महिला एवं बाल विकास विभाग को दिया जाएगा तो किसानों को बिना ब्याज के ऋण उपलब्ध कराने के लिए सहकारिता विभाग को ब्याज अनुदान योजना में राशि मिलेगी। अनुसूचित जाति-जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति और मेधावी विद्यार्थी योजना के लिए राशि निर्धारित की जाएगी। आयुर्वेदिक कालेज की स्थापना, जननी एक्सप्रेस वाहनों की संख्या में वृद्धि, सिंहस्थ 2028, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह सहित अन्य योजनाओं के लिए विभागों को राशि आवंटित की जाएगी। केन बेतवा लिंक परियोजना के लिए भारत सरकार ने अंतरिम बजट में साढ़े तीन हजार करोड़ रुपये का प्रावधान रखा है। इस अनुपात में प्रदेश सरकार राज्यांश की व्यवस्था करेगी। एकीकृत पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना के लिए भी प्रतीकात्मक प्रविधान किया जा सकता है।

बिहार सरकार का फ्लोर टेस्ट

## थोड़ी देर में स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

### सत्ता पक्ष के खेमे में RJD के 2 विधायक

**विधानसभा में राज्यपाल का अभिभाषण जारी, थोड़ी देर बाद होगा बहुमत परीक्षण**

**पटना।** मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले माह की 28 जनवरी को बिहार में एनडीए के साथ मिलकर नई सरकार बनाई थी। अब सोमवार को विधानसभा में एनडीए सरकार फ्लोर टेस्ट से होकर गुजरेगी।नीतीश कुमार अपनी सरकार के लिए बहुमत पर वोटिंग का प्रस्ताव सदन में रखेंगे। इसके बाद विधान मंडल का बजट सत्र शुरू होगा। सत्ता परिवर्तन के बाद विधान मंडल का यह पहला सत्र है। इसको लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष की राजनीतिक गहमागहमी चरम पर है।रविवार की शाम जदयू विधायक दल की बैठक हुई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने विधायकों को संबोधित किया। बिहार के विकास के लिए एकजुट रहने की बात कही। एक दिन पहले मंत्री श्रवण कुमार के आवास पर भी जदयू विधायक जुटे थे।

**राजद का आरोप- हमारे दो विधायकों को जबरन सचेतक के कक्ष में बैठाया**

बिहार में नीतीश सरकार के शक्ति परीक्षण के पहले राजद ने बड़ा आरोप लगाया है। राजद का आरोप है कि उसके दो विधायकों को सचेतक के कक्ष में जबरन बैठाया गया है। विधायकों की जारी बैठक के बीच पुलिस प्रशासन को हमारे नेता के घर मे प्रवेश कराया गया।

**कांग्रेस विधायक संतोष मिश्रा ने मीडिया से की बातचीत**

विधानसभा में शक्ति परीक्षण से पहले कांग्रेस विधायक संतोष मिश्रा ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राजद के बीच गठबंधन नहीं टूट नहीं सकता है। कांग्रेस पहली पार्टी है, जिसने बरकरार विधायकों का उदाहरण पेश राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर विधानसभा के सेंट्रल हॉल में दोनों सदनों के सदस्यों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने पिछली सरकारों की उपलब्धियां गिनाईं। इसके साथ ही आने वाले समय में किए जाने सरकार के कार्यों का भी उल्लेख किया। राज्यपाल के संबोधन के दौरान नारेबाजी और हंगामे जैसी स्थिति भी बनती दिखी। लाइव प्रसारण के दौरान समाने बैठे सदस्यों की आवाजें सुनी गईं।

जीत का मंत्र देने पश्चिम बंगाल जाएंगे पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान

**भोपाल।** आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर बीजेपी अपनी पूरी तैयारी में जुट गई है. वहीं, मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान सोमवार यानी 12 फरवरी को पश्चिम बंगाल के एक दिवसीय दौरे पर हैं. यह दौरा पार्टी के लिए अहम माना जा रहा है. इस दौरे में पूर्व मुख्यमंत्री लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक में सहभागिता करेंगे. इसके साथ ही हावड़ा स्थित जिला बीजेपी कार्यालय में बूथ अध्यक्षों की बैठक को संबोधित करेंगे और कोलकाता में पार्टी के विभिन्न स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे. बता दे कि 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में बीजेपी यह दावा करते दिख रही है कि वह खुद अकेले 370 सीट जीतेगी. प्रधानमंत्री मोदी ने भी बजट सत्र के दौरान कहा है कि बीजेपी आगामी लोकसभा चुनाव में अकेले 370 सीट जीतेगी और एनडीए गठबंधन 400 के पर रहेगी. इसलिए बीजेपी के सारे वरिष्ठ नेता तैयारी में जुट गए हैं. पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान पश्चिम बंगाल यात्रा में बूथ अध्यक्षों के साथ बैठक करेंगे. इसके साथ ही लोकसभा चुनाव की तैयारी का समीक्षा भी करेंगे. बीजेपी ने शिवराज सिंह चौहान को आगामी लोकसभा चुनाव के लिए अहम जिम्मेदारी सौंपी है, जिसको लेकर के पूर्व सीएम पश्चिम बंगाल के दौरे पर हैं. पश्चिम बंगाल में लोकसभा की कुल 42 सीटें हैं. पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी को पश्चिम बंगाल में 18 सीटों पर जीत मिली थी. वहीं 2019 में टीएमसी को 22 सीटें मिली थीं. बात करें कांग्रेस की तो 2019 लोकसभा चुनाव में बंगाल में दो सीटों पर जीत मिली थी. आगामी लोकसभा चुनाव में बीजेपी पश्चिम बंगाल में ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतना चाह रही है. जिसकी तैयारी में पूरी तरह लग चुकी है.

## लोकसभा चुनाव से पहले 50 कांग्रेस नेताओं को इनकम टैक्स का समन, दिल्ली में होना होगा पेश

इंदौर- मध्य प्रदेश की सियासत से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है. लोकसभा चुनाव 2024 से पहले इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की ओर से कांग्रेस नेताओं को समन भेजा गया है. सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश कांग्रेस के करीब 50 नेताओं को इनकम टैक्स का समन पहुंचा है. सभी को दिल्ली के इनकम टैक्स ऑफिस बुलाया गया है. जानकारी के अनुसार, सभी कांग्रेस नेताओं को अलग-अलग तारीख पर दिल्ली बुलाया गया है. मंगलवार 13 फरवरी को शाम 5.00 बजे कांग्रेस नेता देवाशीष को आईटी ऑफिस में पेश होना होगा. वहीं, समन में यह साफ किया गया है कि जब तक पूछताछ चलेगी, तब तक नेता को इनकम टैक्स दफ्तर में ही रहना होगा. वहीं, बिना अधिकारी की परमिशन के बिना उन्हें दफ्तर से वापस जाने की इजाजत नहीं होगी. पिछले सात साल का देना होगा हिसाब-किताब इतना ही नहीं, सभी नेताओं को पिछले सात साल में लेनदेन का हिसाब लेकर आईटी दफ्तर जाना होगा. समन में साल 2014 से 2021 तक के वित्तीय लेनदेन के सभी कागजात लेकर आने के निर्देश दिए गए हैं. इन कांग्रेस नेताओं का नाम भी शामिल बता दें, देवाशीष जरारिया ने साल 2019 में लोकसभा चुनाव लड़ा था. विक्रांत भूरिया यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और वर्तमान में विधायक हैं. वहीं, कांग्रेस के गोविंद गोयल वरिष्ठ कांग्रेस नेता को भी बुलाया गया है.केंद्र सरकार पर लगाया गया ये आरोप वहीं, देवाशीष जरारिया ने केंद्र सरकार पर परेशान करने का आरोप लगाया है. उनका कहना है कि केंद्र सरकार विपक्षी नेताओं को परेशान कर रही है. ईडी और आईटी डिपार्टमेंट का डर दिखाया जा रहा है. लेकिन हम इस समन से डरने वाले नहीं हैं. कांग्रेस नेताओं ने यह भी कहा है कि ड्डञ्ज के अधिकारियों के खिलाफ अनुसूचित जाति के तहत केस दर्ज करवाएंगे.

कोरबा से फिर शुरू हुई भारत जोड़ो न्याय यात्रा

## जयराम रमेश बोले- बिहार में पलटी कुमार शासन कर रहे

**कोरबा।** लोकसभा चुनाव शुरू होने में कुछ ही महीने बचे हैं। ऐसे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मणिपुर से मुंबई तक 6,700 किलोमीटर से ज्यादा की भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू कर दी है। उन्होंने आज छत्तीसगढ़ के कोरबा से फिर से यात्रा शुरू की। बता दें, यात्रा 14 जनवरी को मणिपुर से शुरू हुई थी और 20 मार्च को मुंबई में समाप्त होगी। असम में यह यात्रा 25 जनवरी तक जारी रहेगी और 15 राज्यों के 110 जिलों से होकर गुजरेगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा फिलहाल छत्तीसगढ़ में हैं। आज यहां के कोरबा से यात्रा शुरू हुई है। कांग्रेस

महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा, 'बिहार की राजनीति में क्या कह सकते हैं। जब पलटी कुमार शासन कर रहे हैं, तो वे किस तरफ पलटी करेंगे किसी को नहीं पता। फ्लोर टेस्ट होना जरूरी है। भाजपा हमारी पार्टी को तोड़ने में लगी हुई है, आरजेडी को तोड़ने में लगी हुई है और वो असफल होंगे।'

### दिल्ली के स्कूल में बम की धमकी से मचा हड़कंप, खाली कराया गया परिसर

पुष्प विहार के सेक्टर सात स्थित अमेठी इंटरनेशनल स्कूल में परीक्षा चल रही हैं। इसी दौरान सुबह 9 बजे के करीब किसी छात्र ने स्कूल में बम रखे होने की सूचना पुलिस को दे दी।इसके बाद स्कूल व पुलिस में अफरा तफरी मच गयी और स्कूल प्रशासन ने अभिभावकों को छात्रों को घर ले जाने की सूचना दी। बम की सूचना के बाद स्कूल प्रशासन हरकत में आ गया। एहतियात के तौर पर स्कूल परिसर को खाली कराया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस, डाग स्क्वायड, बम निरोधक दस्ता दल और एसीपी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्कूल में जांच की, लेकिन वहां कुछ नहीं मिला और सूचना झूठी निकली। बताया गया कि किसी छात्र ने परीक्षा से बचने के लिये बम रखे होने की झूठी सूचना दी थी।

## योगी सरकार लेकर आई है यह नया कानून

### बीमा से लेकर मुआवजा देने का भी है प्रावधान

**वाराणसी-** योगी सरकार ने करोड़ों लोगों के जीवन से जुड़े एक महत्वपूर्ण कानून को विधानसभा से पास करा दिया है. अगले कुछ दिनों में इस विधेयक की अधिसूचना जारी होने के बाद पूरे राज्य में यह कानून लागू हो जाएगा. खासतौर पर दिल्ली-एनसीआर के शहर नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद के साथ-साथ कानपुर, वाराणसी और लखनऊ जैसे शहरों में रहने वाले करोड़ों लोगों को इस नए कानून से लाभ मिलेगा. इस कानून के लागू हो जाने के बाद आम लोगों को बेहतर सुरक्षा, दुर्घटना होने पर मुआवजा के साथ अन्य तरह की सेवाएं मिल सकेंगी. बता दें कि योगी सरकार नया लिफ्ट एक्ट लेकर आई है. इस एक्ट में आम उपभोक्ताओं की सुरक्षा को लेकर कई प्रावधान किए गए हैं. इस विधेयक के आने के बाद खासकर गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, जेवर एयरपोर्ट के आस-पास जगहों या फिर बुलंदशहर के नजदीक बसने जा रहे नए 'न्यू नोएडा' के लोगों को काफी फायदा पहुंचेगा. इन जगहों के लोगों को अब मकान, दुकान, फ्लैट, सोसाइटी और मॉल में लिफ्ट में चढ़ने पर जीवन की सुरक्षा की गारंटी मिलेगी. अगर किसी भी तरह का कोई हादसा होता है तो परिवार के लोगों को बीमा का लाभ मिलेगा. आइए जानते हैं उत्तर प्रदेश लिफ्ट एवं एस्केलटर विधेयक 2024 की प्रमुख बातें.

## मध्यप्रदेश की सरकार भी किसानों के निशाने पर, बड़े आंदोलन से पहले दे डाली ये चेतावनी

डेस्क- तेज होते किसान आंदोलन के बीच संयुक्त किसान मोर्चा ने अब मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार को निशाने पर लिया है. एसकेएम ने खुद से जुड़े किसान नेताओं की गिरफ्तारी और रिमांड के कदम की निंदा की है. एसकेएम ने प्रदेश सरकार से सभी हिरासत में लिए गए किसान नेताओं को तुरंत रिहा करने की मांग की है. एसकेएम का कहना है कि संविधान में निहित लोगों के विरोध करने के लोकतांत्रिक अधिकारों के खिलाफ काम करने के लिए सीएम मोहन यादव की कड़ी आलोचना करता है. एसकेएम के अनुसार, यह गिरफ्तारी 16 फरवरी 2024 को

ग्रामीण बंद और औद्योगिक/क्षेत्रीय हड़ताल के संदर्भ में है, जो एसकेएम और केंद्रीय ट्रेड यूनियनों, स्वतंत्र/क्षेत्रीय महासंघों, संघों के संयुक्त मंच द्वारा संयुक्त आह्वान है. संयुक्त किसान मोर्चा ने दावा करते हुए कहा है कि मध्यप्रदेश के एसकेएम राज्य नेतृत्व की रिपोर्ट के अनुसार, किसान संघर्ष समिति की उपाध्यक्ष अधिवक्ता आराधना भारद्वाज को मुलताई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और बैतूल जेल में भेज दिया गया है. एमपी किसान सभा के उपाध्यक्ष राम नारायण कुरारिया को सिवनी जिले के लखनादौन में गिरफ्तार किया गया और रिमांड पर लिया गया. बीकेयू (टिकैत) के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव, श्योपुर के जिला अध्यक्ष हरपाल सिंह और 150 अन्य कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया गया. अखिल भारतीय जनवादी महिला एसोसिएशन की नेता एडवोकेट अंजना कुरारिया को भी जबलपुर पुलिस ने हिरासत में ले लिया. आदिवासी अधिकार राष्ट्रीय मंच के नेता अनिल सल्लम को शिवानी जिले में गिरफ्तार कर लिया गया है. संयुक्त किसान मोर्चा का यह भी दावा है कि रीवा में एसकेएम के जिला संयोजक एडवोकेट शिव सिंह, किसान सभा के जिला सचिव रामजीत सिंह, इंद्रजीत सिंह, शंभू समेत सात कार्यकर्ताओं को रीवा में रिमांड पर लिया गया है. किसान संघर्ष समिति ग्वालियर के जिला उपाध्यक्ष शत्रुघ्नन यादव को उटीला थाने में गिरफ्तार कर लिया गया है. इसी तरह छिंदवाड़ा में भी किसान संघर्ष समिति के सभी प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया है.

**सावधान जाहिर सूचना**

**ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र खसरा न. 72 वा अन्य खसरो कृषि भूमि के सम्बन्ध मे।**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र मे स्थित कृषि भूमि विजय पिता राम भरोसे तिवारी से छल कर फरेब से सोची समझी चाल चल कर जिसका खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो को लिख कर 8 विक्रय पत्रो के लिए कूटरचित भाषा लिख कर दस्तावेज तयार कर वा फर्जी चेको को दे कर जालसाजी और 420 से विक्रय पत्रों का पंजीयन करवाया गया है इन सभी के नाम इस प्रकार है सुमित प्रकाश पाटनी पिता मणिक चन्द पाटनी, अरुणा पाटनी पति सुमित प्रकाश पाटनी,अनिल कुमार पंवार पिता मोहन सिंह पंवार, राहुल जैन पिता राकेश जैन, आनंद कसेरा पिता लक्ष्मणदास कसेरा राकेश जैन पिता स्व.नवीन चन्द जैन,पार्वती जैन पति बक्षीराम जैन, पवन जैन पिता बक्षीराम जैन इन सभी के खिलाफ पुलिस में जांच चल रही है कोर्ट में केस पेंडिंग है अत- कृषि भूमि खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो का सौदा किया गया था जिसका भुगतान राशि चेको के माध्यम से की गई थी पर चैक अनादरण होने से सौदा 2018 में निरस्त किया जा चुका है जिसकी सूचना पेपर विग्यप्ति के माध्यम से पहले ही सूचना दी जा चुकी है अत- इन सभी विक्रय पत्रो के संदर्भ मे किसी भी व्यक्ति, संस्था या बैंक आदि से कर्ज हेतू प्राप्त करता है या इन रजिस्ट्री के माध्यम से विक्रये करता है तो इस की जवाब देयी किसान भूमि मालिक की नही होगी
अत : होने पर पुलिस कार्रवाई की जाएगी।

## सिंगल कॉलम

### आरएनटी मार्ग पर हरदा ब्लास्ट पर होगी चर्चा, बड़ा गणपति हंसदास मठ में होगा राम महायज्ञ

*इंदौर। शहर में विभिन्न धार्मिक-सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के आयोजन 12 फरवरी को होंगे। इसमें हंसदास मठ का वार्षिकोत्सव आयोजित किया जाएगा। गुप्त नवरात्र के अवसर पर माता मंदिरों में विभिन्न कार्यक्रम होंगे। श्री मध्यभारत हिंदी साहित्य समिति सभागृह में हरदा में हुए विस्फोट से उपजी चुनौतियां और नागरिकों की भूमिका विषय पर चर्चा होगी। साथ ही चित्रकला के रंग भी सजेंगे और मेलों की मस्ती भी होगी। एरोड्रम रोड स्थित श्री श्रीविद्याधाम मंदिर में प्रकाशोत्सव माघ माह की गुप्त नवरात्र पर प्रतिदिन विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसमें सुबह 6 बजे वंदन, 7 बजे वेदपाठ एवं षोडशोपचार पूजन तथा शाम 5.30 बजे ललिता सहस्त्र नामावली से लक्षार्चन आराधना एवं शाम 7.30 बजे 108 दीपों से श्रृंगार आरती तथा रात 9 बजे ललिता सहस्त्रनाम अर्चना होगी।- हंसदास मठ के वार्षिकोत्सव में राम महायज्ञ और श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन बड़ा गणपति स्थित हंस दास मठ पर सुबह 9 से 12 बजे तक होगा। इसमें संस्कृत पाठशाला के 51 बालकों के साथ 21 वैदिक आचार्य के सान्निध्य में यज्ञ का होगा। इसमें भगवान रणछोड़जी का अभिषेक, ब्राह्मण पूजन, विष्णु महायज्ञ की आहुतियां विष्णु सूक्त, पुरुष सूक्त एवं श्रीसूक्त द्वारा हवन एवं आरती होगी। शक्ति के नौ स्वरूप और 10 महाविद्याओं के पूजन का पर्व गुप्त नवरात्र में विश्व शांति के लिए महायज्ञ सुबह 9 से 10 बजे तक वैष्णवधाम बिचौली मर्दाना में होगा। इसमें मां दुर्गा, मां काली और मां सरस्वती का श्रृंगार किया जाएगा। जिन्हें चित्रकला में रुचि है उनके लिए एबी रोड स्थित प्रिंसेस बिजनेस स्कायपार्क के आर्ट पैसेज में कला प्रदर्शनी लगी हुई है। यहां रमेश आनंद द्वारा तैयार किए गए करीब 50 चित्रों को आप सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक देख सकते हैं। आज शाम यदि आप आरएनटी मार्ग से गुजर रहे हैं तो 6 बजे श्री मध्यभारत हिंदी साहित्य समिति सभागृह पहुंच जाएं। यहां सामाजिक कार्यकर्ता अनिल त्रिवेदी हरदा में हुए विस्फोट से उपजी चुनौतियां और नागरिकों की भूमिका विषय पर विचार व्यक्त करेंगे।*

### इंदौर में बैंड संचालक के परिवार पर हमला कर सोना और रुपये ले गए हथियारबंद डकैत

*इंदौर। हथियारबंद डकैत थाने के सामने डकैती कर फरार हो गए और पुलिस को भनक तक नहीं लगी। डकैतों ने चौकीदारों पर पथराव भी किया। बैंड संचालक और उसके परिवार को कब्जे में लेकर सोना-चांदी के आभूषण और रुपये लूट लिए। सूचना के करीब 45 मिनट बाद पुलिस मौके पर पहुंची। घटना शनिवार रात कनाड़िया थाने से महज 200 किमी दूर स्थित तिलक नगर (बी) में जनता बैंड के संचालक वकील दांगी के यहां हुई। डकैतों ने मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ा और चिटकनी खोलकर घर में घुस गए। वकील, पत्नी माया, बेटे ललित और अजय हॉल में सो रहे थे। एक बेटा प्रदीप पत्नी और छोटे बेटे के साथ बेडरूम में सो रहा था। डकैतों ने वकील के साथ मारपीट की और घर में तलाशी शुरू कर दी। झपट्टा मारकर माया का मंगलसूत्र छीन लिया। ललित ने विरोध करने की कोशिश की तो उस पर हमला कर दिया। करीब 20 मिनट तक घर में रहे और सोना-चांदी के आभूषण, रुपये सहित ढाई लाख रुपये का सामान ले गए।पुलिस पहुंची देरी से लोगों ने जताया रोष प्रदीप ने पुलिस कंट्रोल रूम पर फोन किया, लेकिन पुलिसवाले पलासिया के पास तिलक नगर में घूमते रहे। करीब 45 मिनट बाद पुलिसवाले घटना स्थल पर पहुंचे तो लोग एकत्र हो गए। लोगों में घटना को लेकर आक्रोश था। रविवार सुबह एडीसीपी जोन-2 अमरेंद्र सिंह, एसीपी कुंदन मंडलोई व टीआइ केपी यादव पहुंचे। फोरेंसिक एक्सपर्ट को दो जगह से फिंगर प्रिंट मिले हैं। खोजी श्वान से पता चला कि डकैत खेतों के रास्ते भागे हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उनकी तलाश में जुटी है। गाड़ियों की हवा निकालकर घर में घुसे थे रहवासी परमानंद यादव के मुताबिक, डकैत ठीक पौने तीन बजे आए थे। सीसीटीवी फुटेज में सात नकाबपोश साफ नजर आ रहे हैं। शुरुआत में डकैतों ने कालोनी में रहने वाले धन्नालाल कुमावत, बाबूलाल कुमावत और दो अन्य घरों में वारदात करने की कोशिश की। कुमावत की कार चुराने का प्रयास भी करते रहे। इसके बाद चौकीदार पूनम पर पथराव कर फरार हो गए। थोड़ी देर बाद वकील दांगी के घर की तरफ आ गए। बाहर खड़ी कार, बाइक की हवा निकाली ताकि भागने के बाद ग्रामीण पीछा न कर सकें। मोबाइल छीने और फार्म हाउस के पास फेंक गए डकैतों ने पूरे परिवार के मोबाइल छीन लिए थे। घटना के बाद पुलिस और साइबर एक्सपर्ट ने जांच की तो पता चला कि मोबाइल फोन जास्मीन फार्म हाउस के पास फेंक दिए थे। पुलिस को शक है कि वारदात में बाग, टांडा या फिर कंजर गिरोह का हाथ हो सकता है।*

# इंदौर में चार्टर्ड बस ने खड़ी स्कूल बस को मारी टक्कर

### एक छात्र सहित चार लोग घायल

**सिटी चीफ इंदौर।**

शहर के राजीव गांधी चौराहे के पास मां विहार कॉलोनी के गेट पर इंदौर-रतलाम चार्टर्ड बस ने श्री सत्य विद्या विहार स्कूल की खड़ी बस को जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में एक छात्र सहित चार लोग घायल हो गए। दुर्घटना में बस के हेल्पर और असिस्टेंट भी चोटिल हो गए। बस कॉलोनी के गेट पर खड़ी थी। एक पालक ने जैसे ही अपने बच्चे को बस में बैठाया कि यह दुर्घटना हो गई। बताया जाता है कि दुर्घटना सुबह करीब साढ़े सात बजे हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस की टक्कर इतनी तेज थी कि स्कूल बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। यह भी पता चला है कि स्कूल बस टक्कर के बाद सामने खड़े ट्रक से भी जा टकराई।बस के चालक के हादसे के

बाद बताया कि सामने से आ रही बाइक को बचाने की कोशिश में यह दुर्घटना हुई। बस की किसी सवारी को दुर्घटना में चोट नहीं आई है। घायलों को उपचार के लिए चोइथराम अस्पताल भेजा गया है।

# शासन की अनुमति के अभाव में फिलहाल वन टाइम सेटलमेंट योजना लागू नहीं

**सिटी चीफ इंदौर।**

बकाया जल कर वसूली के लिए लाई गई नगर निगम की वन टाइम सेटलमेंट योजना को झटका लगा है। शासन से अनुमति के अभाव में इस योजना पर अब तक अमल शुरू नहीं हो सका है। निगम फिलहाल सिर्फ अवैध जल कनेक्शन को वैध करने का अभियान ही चला पा रहा है। अवैध जल कनेक्शन को वैध करने के लिए वसूले जा रहे शुल्क के रूप में अब तक निगम के खाते में एक करोड़ रुपये जमा हो चुके हैं। बताया जा रहा है कि नगर निगम ने वन टाइम सेटलमेंट योजना को मंजूरी के लिए शासन के पास भेज दिया था, लेकिन अब तक भोपाल से स्वीकृति को लेकर कोई जानकारी नहीं मिली है।बकाया जल कर वसूली नगर निगम के लिए हमेशा से ही समस्या रही है। बताया जा रहा है कि निगम को जलकर वसूली के रूप में जनता से 100 करोड़ रुपये से ज्यादा वसूलना है, लेकिन किसी तरह की सख्ती नहीं होने से वसूली नहीं हो पा रही है। शहर में हजारों अवैध नल कनेक्शन है। इन्हें वैध करना भी बड़ी समस्या है। बकाया जल कर वसूली और अवैध जल कनेक्शनों को वैध करने के उद्देश्य से नगर निगम ने वन टाइम

सेटलमेंट योजना की घोषणा की थी। इसके तहत छह फरवरी से एक माह का अभियान चलाकर अवैध नल कनेक्शन को एक निश्चित राशत्र लेकर वैध करना और वर्ष 2022-23 तक के बकाया जल कर की राशि की 50 प्रतिशत राशि एक ही बार में जमा करवाकर जल कर खाते को नियमित किया जाना था। निगम ने जोर-शोर से इस योजना का प्रचार-प्रसार भी किया। निगम के अधिकारियों ने बताया है कि बकाया जल कर का 50 प्रतिशत लेकर खाते को नियमित करने की योजना को अब तक भोपाल से स्वीकृति नहीं मिली है। यही वजह है कि यह योजना फिलहाल लागू नहीं की गई है। लगातार घाटे में चल रहा है निगम निगम की आर्थिक स्थिति किसी से छुपी नहीं है। यही वजह है कि निगम ने वन टाइम सेटलमेंट योजना तैयार कर बकाया जलकर वसूली की तैयारी की थी। इस योजना के तहत निगम को 50 करोड़ रुपये तक बकाया शुल्क मिलने की उम्मीद थी लेकिन शासन की स्वीकृति के अभाव में योजना लागू ही नहीं हो सकी।

# पशुओं की सेहत सुधरेगी, मालवा में बहेगी दूध की गंगा, महू के वेटनरी कालेज का शोध

**सिटी चीफ इंदौर।**

स्वस्थ रहने के लिए आप और हम जिस दूध का उपयोग कर रहे हैं, उसमें पोषक तत्वों की कमी हो रही है। इस कमी को दूर करने और दुधारू पशुओं को तंदुरुस्त रखने के लिए वेटरनरी कालेज महू शोध कर रहा है। इसमें दुधारू पशुओं के पशु आहार में पोषक तत्वों की कमी निकालना और पोषक तत्व का सप्लीमेंट तैयार करना है। वर्ष 2021 में शुरू हुआ यह शोध अब अंतिम दौर में है। मालूम हो कि मप्र मंडी बोर्ड ने इस शोध के लिए 1 करोड़ 14 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की है। इससे जहां दुधारू पशुओं की बीमारी ठीक हुई है, वहीं दूध उत्पादन भी बढ़ा है।सही पोषक तत्व नहीं मिलने से दुधारू पशुओं में कई तरह के रोग हो रहे हैं। पशु पालक भी अधिक मुनाफा कमाने के लिए सूखा भूसा, कपास्या खली, चापड़ और बाजार का पशु आहार दे रहे हैं, जबकि हर क्षेत्र में पशु आहार में पोषक तत्व बदल जाता है, वहीं दुधारू पशुओं के लिए सबसे ज्यादा हरा चारा लाभदायक होता है, जो कि पशुपालक कम मात्रा में देते हैं। इसी हरे चारे में फास्फोरस, जिंक, मैग्नीज, कापर, विटामिन-ए और ई होता है। सही पोषक आहार न मिलने से इन पशुओं में बांझपन, थनेला, गर्भ नहीं ठहरना, जैर का नहीं गिरना और दूध उत्पादन में कमी आना जैसी व्याधियां हो जाती हैं। पशुओं की इन्हीं व्याधियों की रोकधाम करने और दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए यह शोध किया जा रहा है। इस शोध को पशु पोषण आहार विभागाध्यक्ष डा. आरके जैन, प्रोजेक्ट इंचार्ज वैज्ञानिक डा. अशोक कुमार पाटिल, डा. नरेश कुरेचिया और रंजीत आइच पूरा कर रहे हैं। इस फार्मूले से तैयार किया सप्लीमेंट डा. पाटिल ने बताया कि अलग-अलग जिले का दाना, चारा आदि की जांच मशीनों से की गई। इससे पोषक तत्वों की कमी का पता चला।

# रिश्तों के साथ सेहत भी सुधारती है जादू की झप्पी

**सिटी चीफ इंदौर।**

कहते हैं न कि अगर पार्टनर के बीच में प्यार है तो लड़ाई-झगड़ा और अनबन होना भी लाजमी है। परंतु ये अनबन हमारे प्यारे रिश्तों पर भारी न पड़ जाएं इसके लिए सारी बोलना, अपनी गलती मानना, माफ करना जैसे कई अस्त्र हैं। परंतु पार्टनर को गले लगाना ब्रह्मास्त्र माना जा सकता है। गले लगाने से कितने भी बड़े गिले शिकवे पलभर में दूर हो जाते हैं। दंपती, मां-बेटा, पिता-पुत्र, दोस्त या कोई भी रिश्ता हो, गले लगाने से अपनापन बढ़ जाता है। गले गलाने के कई वैज्ञानिक फायदे भी हैं। विशेषज्ञ कहते हैं गले लगाने से शरीर में डोपामाइन, सेरोटोनिन, आक्सीटोन हार्मोन रिलीज होते हैं। ये हार्मोन तनाव दूर करने में, अच्छा महसूस कराने में, खुश रखने में मदद करते हैं। इन दिनों वेलेंटाइन वीक चल रहा है।अविवाहित जोड़ों के साथ ही विवाहित जोड़े भी इसे खूब मस्ती के साथ मना रहे हैं। वेलेंटाइन वीक में सोमवार को लोग हग डे (आलिंगन दिवस) के रूप में मना रहे हैं। अगर आपके और पार्टनर के बीच में कुछ गड़बड़ है तो एक जादू की झप्पी सारी परेशानियों को दूर कर सकती है। नाराज होने पर पति ने गाना

गाकर और गले लगाकर मनाया कार शोरूम संचालक स्वप्निल शाह की शादी 1997 में अर्चना शाह से हुई थी। हालांकि यह अरेंज मैरिज है लेकिन आज भी ये अपनी जिंदगी लव मैरिज की तरह जी रहे हैं। अर्चना बताती हैं कि अनबन तो आए दिन होती ही रहती है। इसके बाद एक दूसरे को मनाने का सिलसिला चलता है। हां एक किस्सा आज भी याद है। शादी से पहले एक बार मेरे जन्मदिन पर स्वप्निल नहीं आ पाए थे। केक कटिंग समेत कई कार्यक्रम हो गए थे। स्वप्निल काफी देर से आए थे। तब तक मैं नाराज होकर सो गई थी। घर आकर इन्होंने पियानो पर चांद सी महबूबा हो मेरी गाना गाकर मुझे उठाया। इसके बाद मुझे लगे लगा लिया। गले लगाते ही मेरी सभी शिकायतें दूर हो गईं। फिर हमने साथ में ही डिनर किया। शादी वाले दिन ही शुरू हुई कहानी आइटी कंपनी संचालक उज्जवल बाड़ेकर और गौरी बाड़ेकर की शादी पिछले साल मार्च में ही हुई है। यह इनकी लव मैरिज थी। उज्जवल बताते हैं कि गले गलाने से सारा तनाव और थकावट दूर हो जाती है। हमारी शादी का तीन दिन का कार्यक्रम था। अंतिम दिन रिसेप्शन हुआ और देर रात तक कार्यक्रम चला। सभी लोगों के मौजूद होने के चलते हम दोनों एक दूसरे से कई दिनों से ढंग से मिल नहीं पाए थे। मेरी इच्छा थी कि हम दोनों एक दूसरे को अच्छे से हग करें। परंतु फोटो शूट होने के बाद ही गौरी सोने चली गई। क्योंकि अगले दिन घर पर पूजा के लिए जल्दी उठना था। मैंने उसे मैसेज किया, मैसेज पर ही करीब एक घंटे तक हमारी बातचीत हुई। इसके बाद हम दोनों अच्छे से गले मिले और काफी देर तक एक साथ बैठे रहे। करीब 4 बजे हम लोग सोने गए थे। फैटी बोलने पर मैं हो गई थी नाराज लव मैरिज को अरेंज मैरिज में बदलते हुए तो कई किस्से आपने सुने होंगे। परंतु रत्ना आर्या और गौरव आर्या ने अपनी अरेंज मैरिज को लव मैरिज में बदल लिया है। इनकी शादी साल 2009 में हुई थी। गौरव मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत हैं और रत्ना का नर्सरी उद्योग है। रत्ना ने बताया कि वैसे तो हम दोनों में आए दिन कुछ न कुछ उठापटक होती ही रहती है। गौरव को पता है कि अगर मैं नाराज होउंगी तो सारी पुरानी बातें भी सामने ले आऊंगी। इसके बाद गौरव के लगे लगाने पर मैं रो पड़ूंगी और फिर सब सामान्य हो जाएगा। एक बार गौरव ने मुझसे कहा था कि तुम्हारा वजन बढ़ रहा है। इस पर ध्यान दो। मुझे लगा कि अब उसे मुझे कहीं ले जाने में शर्म आने लगी है। इस बात पर मैं रो पड़ी। तब गौरव ने मुझे गले लगाकर समझाया कि मैं तुम्हारे स्वास्थ्य की वजह से टोक रहा था। हमारा प्यार हमेशा रहेगा। तब जाकर मैं शांत हुई थी।

### कांग्रेस ने पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन को की लोकसभा चुनाव लड़ने की पेशकश

**सिटी चीफ इंदौर।**

लोकसभा चुनाव से पहले मध्य प्रदेश के दोनों प्रमुख दलों ने चुनावी बिगुल बजा दिया है। आपसी बयानबाजी और पलटवार तेज हो गए हैं। कुछ दिनों पहले इंदौर से आठ बार की सांसद रह चुकी और पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ को भाजपा में शामिल होने का न्यौता दिया था। इसी के जवाब में अब कांग्रेस ने पलटवार किया है। कांग्रेस ने ताई को कांग्रेस की सदस्यता लेने और इंदौर से दल की ओर से लोकसभा चुनाव लड़ने का न्यौता दिया है। कांग्रेस के संभागीय प्रवक्ता विवेक खंडेलवाल ने सुमित्रा महाजन को पत्र लिखकर लोकसभा चुनाव लड़ने की बात कही है। गौरतलब है कि महाजन ने दो दिन पहले जय सियाराम के नारे के साथ कमल नाथ को भाजपा में आने का निमंत्रण दिया था। उन्होंने कहा था कि यदि विकास पसंद है तो पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ भाजपा में शामिल हो सकते हैं।

### सिर्फ जांच कमेटी और खानापुर्ती से काम नहीं चलेगा, दोषियों को सबक सिखाना होगा!

हरदा की पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट के बाद इससे जुड़ी घटनाओं की परतें भले ही खुलती जा रही हो, पर जिनकी मौत हुई है, उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। पिछले कई वर्षों का इतिहास पलट कर देख लीजिए। जब भी इस तरह के हादसे होते हैं, सरकार जांच कमेटी बनाती है, मुख्यमंत्री से लेकर बड़े-बड़े अधिकारी और जनप्रतिनिधि घटनास्थल की तरफ दौड़ पड़ते हैं। नेताओं और अफसरों के बयान, पक्ष-विपक्ष के आरोप, मुआवजे की घोषणा, घायलों को राहत के इंतजाम, दो-चार कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस, एक-दो अधिकारियों का तबादला तो कुछ निलंबन, बस...!! इसके बाद कुछ नहीं होता है... न दोषियों को सजा मिलती है... न ही ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति रुकती है।शांति का टापू कहे जाने मध्य प्रदेश में ऐसा हादसा पहली बार नहीं हुआ है। पिछले 10 साल में पटाखा फैक्ट्रियों में 14 विस्फोट हो चुके हैं। इनमें करीब 180 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। 12 सितंबर 2015 को झाबुआ जिले के पेटलावद में विस्फोट के कारण करीब 80 लोगों की जान चली गई थी। तब तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पीड़ितों के बीच घटनास्थल पर बैठकर बड़ी-बड़ी घोषणाएं की थी, पर इस मामले में जो जांच रिपोर्ट सामने आना थी, वह हादसे के नौ साल बाद भी सार्वजनिक नहीं हो पाई है। इसके बाद 19 अप्रैल, 2017 को इंदौर के रानीपुरा में पटाखा दुकानों में आग लगने से सात लोग मारे गए थे। इसके बाद प्रशासन ने बड़े-बड़े दावे किए थे पर ऐसे हादसों पर लगाम नहीं लग पाई। मुरैना में अक्टूबर, 2022 में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई थी तो 31 अक्टूबर, 2023 को दमोह की फटाका फैक्ट्री में विस्फोट से छह लोग मारे गए थे। देश या प्रदेश के अलग-अलग शहरों में पटाखा फैक्ट्री में श्रमिकों की मौत के ऐसे समाचार समय-समय पर आते रहते हैं। शासन की ओर से ऐसी घटनाओं से बचाव के लिए नियम-कायदे लगातार बनते रहते हैं, पर हादसे रुकते नहीं हैं। हरदा की पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट को भी गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने मंत्रालय में सभी कलेक्टरों को उनके जिले में संचालित पटाखा फैक्ट्री के नियमानुसार संचालन और अन्य शर्तों के पालन के अनुसार जांच कर रिपोर्ट तलब की है। सवाल उठ रहा है कि क्या जांच कर रिपोर्ट तलब करने से आग लगने से होने वाले हादसे रुकेंगे। बड़ा सवाल तो यही है कि जब पटाखा फैक्ट्री बनाने का लाइसेंस दिया जाता है, तब खामियों और लापरवाहियों की तरफ ध्यान क्यों नहीं दिया जाता। लाइसेंस देने के बाद जब फैक्ट्री का संचालन शुरू हो जाता है तो उस पर निगरानी क्यों नहीं की जाती है। हरदा की पटाखा फैक्ट्री में जो भीषण हादसा हुआ है, वह कुछ खामियों की वजह से हुआ है। इन लापरवाहियों में पटाखा फैक्ट्री में क्षमता से अधिक मात्रा में बारुद रखना भी एक बड़ी वजह थी। इसके अलावा फैक्ट्री में आग से बचाव की कोई व्यवस्था नहीं थी। इस पटाखा फैक्ट्री के पास ही आवासीय कालोनी थी। इसमें प्रधानमंत्री आवास योजना के मकान भी बने थे। जो मजदूर यहां काम करने आते थे, उनके पास कोई सुरक्षा किट नहीं थी। मजदूर जो कपड़ा पहनकर आते थे, उसी को पहन कर पटाखा फैक्ट्री में काम करते थे। सुरक्षा की दृष्टि से यहां पर वाटर टैंक होना था, लेकिन उसकी भी कोई व्यवस्था नहीं की गई थी। इतनी खामियों के बाद भी यह फैक्ट्री कई सालों से चल रही थी। यहां कोई अधिकारी जांच करने आता था तो उसे ये खामियां नजर क्यों नहीं आती थी। देश में अभी भी कई गांव बारूद के ढेर पर दरअसल पटाखा व्यवसाय की अंधी कमाई और नियम-कानून का बेहद लचर क्रियान्वयन बारूद की इन फैक्ट्रियों में चिंगारी का काम करता है। नतीजा इस तरह के हादसों के रूप में सामने आता है। देश में आज भी कई ऐसे गांव और शहर हैं, जहां बारूद कभी भी धमाके में बदल सकती है। पटाखा फैक्ट्री के लिए कई नियमों का पालन करना पड़ता है। पटाखा फैक्ट्री के आसपास काफी बड़ा भूभाग करीब पांच एकड़ खाली रखना होता है। भवन निर्माण में भी कई नियमों का पालन जरूरी है। एक से दूसरे कमरे और इस तरह हर कमरे से बाहर जाने के लिए खुले रास्ते साथ ही कमरों के बीच दीवारों का विशेष निर्माण आवश्यक है। विस्फोटक के भंडारण के भी नियम है। इसे हमारी व्यवस्था की खामी कहे या मजबूरी, किसी भी पटाखा फैक्ट्री में इन नियमों का पालन नजर नहीं आता है। फैक्ट्री मालिकों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की मिलीभगत से यह अवैध कारोबार वर्षों से फल-फूल रहा है। इस तरह की घटनाओं के बाद कड़ी कार्रवाई की बात तो खूब होती है। सारी खानापूरी की जाती है, पर कुछ दिनों बाद सब इरादे कहीं गुम हो जाते हैं। लोग भी ऐसी घटनाओं को धीरे-धीरे भूलने लगते हैं। सरकारी दफ्तरों से लेकर राजनीति के गलियारों तक सब कुछ धीरे-धीरे सामान्य होने लगता है। सरकार और प्रशासन में जिस मजबूत इच्छाशक्ति की जरूरत है, वह फिलहाल नजर नहीं आ रही है।

# पानी पिलाने के बहाने बुलाकर बच्ची को कार से किया अगवा, 09 गिरफ्तार

**सिटी चीफ भोपाल।**

जिले के इछावर कस्बे में स्थित ग्राम डुंडलावा से से कुछ अज्ञात लोगों ने साल साल की मासूम बच्ची को जबरन कार में बिठाया और अगवा कर ले गए। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की और 24 घंटे के भीतर बच्ची को शिवपुरी के मायापुर ग्राम से सकुशल बरामद करने के साथ गिरोह के 09 सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। इस गिरोह ने वारदात करते वक्त एक महिला और बच्चे को भी साथ रखा था, ताकि किसी को शक न हो। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। उनसे पूछताछ में अन्य जिलों में हुई इस तरह की वारदातों का खुलासा होने की संभावना है।इछावर पुलिस को विवेचना के दौरान पता चला कि घटनास्थल के पास एक दिन पहले रात मे रुके थे। दूसरे दिन ग्राम डुन्डलावा से नाबालिक को पानी देने के बहाने बुलाकर कार में बिठा कर अपहरण कर ले गए थे, उनके साथ कार में एक महिला और एक छोटा बच्चा भी था, जिससे आमजन को अपहरण की शंका न हो। पुलिस टीम द्वारा तकनीकी

सहायता प्राप्त कर पुलिस को जानकारी प्राप्त हुई कि एक सदिग्ध जो घटना स्थल पर देखा गया था, जिसके प्रदेश के विभिन्न थानो मे अपहरण की वारदात को अन्जाम देने के आपराधिक रिकार्ड प्राप्त हुए। जिसकी कड़ी में पुलिस ने उक्त संदिग्ध की संपूर्ण जानकारी एकत्रित की। इस तरह पुलिस टीमों द्वारा घटनाक्रम के सम्पूर्ण साक्ष्य व कड़ी को एक दूसरे से जोडा जिसमे सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध कार का दिखना, वारदात के एक दिन पूर्व सदिग्धों का घटना स्थल पर मौजूद होना एव पुलिस द्वारा आसपास के लोगों से मिली अज्ञात लोगो के हुलिए के जानकारी जिसके आधार पर सीहोर पुलिस टीम ने घटना स्थल से 500 किलोमीटर दूर जिला शिवपुरी के मायापुर गांव से ग्राम डुंडलावा से सात साल की मासूम नाबालिग को बरामद करने के साथ गिरोह के सभी सदस्यो को दबिश देकर हिरासत में लिया। गिरोह में शामिल सभी सदस्य शातिर अपराधी हैं, जिनके खिलाफ विभिन्न जिलों के थानों में आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। आरोपी दयाराम के विरुद्ध देवास, राजगढ में अपहरण एवं मानव तस्करी के प्रकरण हैं एवं एक प्रकरण में न्यायालय से सजा हुई हैं। उक्त आरोपियों से पूछताछ की जा रही है, गिरोह में शामिल यह नौ सदस्य गिरफ्तार अपहरणकर्ता गिरोह में तिवारी कंजर पिता नात कंजर उम्र 30 साल निवासी पीपलरावा जिला देवास, राहुल पिता चिमन मालवीय उम्र 20 निवासी खेडावत थाना सिलसिलाई जिला शाजापुर, सुनिल उर्फ रिन्कू पिता गणेश कन्जर उम्र 28 साल निवासी मायापुर शिवपुरी, आजाद सिह पिता रामजी कन्जर उम्र 38 साल निवासी मायापुर शिवपुरी, धर्मराज पिता सरविन कजर उम्र 55 साल निवासा मायापुर जिला शिवपुरी, शाहरुख पिता अकबर उम्र 25 साल निवासी बाबडिया थाना इछावर जिला सीहोर, दयाराम पिता हरिशंकर उम्र 46 साल निवासी खेडावद थाना थाना सलसलाई जिला शाजापुर, इकरा पति शाहरुख उम्र 20 साल निवासी बाबडिया थाना इछावर जिला सीहोर और मागीबाई पति राहुल कन्जर उम्र 18 साल निवासी खेडावद थाना थाना सलसलाई जिला शाजापुर शामिल थे।

### कोर्ट से नहीं मिली राहत

# नवाब सिद्दीक हसन तालाब के अतिक्रमणकारियों पर आज हो सकती है कार्रवाई

**सिटी चीफ भोपाल।**

पुराने शहर में नवाब सिद्दीक हसन तालाब के इर्द-गिर्द कैचमेंट में अतिक्रमण करने वालों को हाईकोर्ट ने स्टे देने से इंकार कर दिया है। इधर कब्जेधारियों ने सरकार से राहत देने की गुहार लगाई दी, लेकिन वहां से भी कोई मदद नहीं मिली। ऐसे में सोमवार को प्रशासन इस इलाके में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कर सकता है।बता दें कि जबलपुर हाईकोर्ट और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल बोर्ड (एनजीटी) ने पुराने शहर में स्थित नवाब सिद्दीक हसन खां तालाब के दायरे में बसे रहवासियों के अतिक्रमणों को हटाने के आदेश दिए हैं। बीते महीने की 31 तारीख को प्रशासन

ने अतिक्रमण हटाने की पूरी तैयारी कर ली थी। लेकिन स्थानीय विधायक आतिफ अकील ने रहवासियों के साथ कलेक्टर से मुलाकात कर समय मांगा था। जिस पर कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने 10 फरवरी तक की मोहलत दे दी थी। इस दौरान रहवासियों को खुद ही अपने अतिक्रमण हटाने थे। लेकिन इस मियाद में भी अतिक्रमण नहीं हटाए गए। निगम की बिल्डिंग परमिशन शाखा के मुताबिक फातिमा बेगम, शहादत अली, शेख जमील, मंसूर अहमद और मो. रईस के निर्माण को हटाया जाना है।

# डाग शो में देसी-विदेशी प्रजातियों के श्वानों ने बिखेरा जलवा, 400 से ज्यादा श्वान हुए शामिल

**सिटी चीफ भोपाल।**

नर्मदापुरम रोड स्थित एक गार्डन में कैनल क्लब आफ भोपाल की ओर से रविवार को डाग शो का आयोजन हुआ। इस शो में देश-दुनिया के श्वानों की 40 प्रजातियों के 450 से ज्यादा श्वान ने विभिन स्पर्धाओं में हिस्सा लिया। इस चैंपियनशिप में सभी 40 प्रजातियों में अलग-अलग विजेता चुने गए। यहां आने वाले श्वान शरीर से किसी युवा शेर से कम नहीं थे। इस दौरान शर्मीले तो कहीं फुर्तीले श्वान लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बने रहे। यहां जर्मनी, स्वीडन, अर्जेंटीना, स्पेन, रूस, तिब्बती आदि देशों के श्वान देखने को मिले। जिन्हें खरीदने के लिए लोगों ने लाखों रुपये खर्च किए। जबकि इन्हें पालने के लिए हर माह 40 हजार रुपये खर्च करने से नहीं कतराते।सबसे ज्यादा आकर्षक का केंद्र रसिया का बोर्जोई श्वान रहा, जिसकी कीमत 14 लाख रुपये है। इसे संचित शर्मा लेकर आए थे। इसका नाम कैप्टन है। इसकी उम्र सात वर्ष है। संचित ने बताया कि इसके लिए वह हर माह 40 हजार रुपये तक खर्च करते हैं। यह 200 ग्राम बोल्ड चिकन, चार अंडे, चावल और उबली सब्जियां खाता है। अर्जेंटीना का गोल्डन रिट्रिवर, तीन वर्ष है उम्र विद्या नगर में रहने वाली सोनू उप्पल शो में अर्जेंटीना का गोल्डन रिट्रिवर लेकर पहुंची। यह श्वान तीन वर्ष का है। जब वह 40 दिन का तभी से इनके पास है। उन्होंने बताया कि इसे मैं अपने बच्चे की तरह रखती हूं। इसे अकेला नहीं छोड़ती हूं। शहर के श्वान अक्सर भूखें रहते हैं हर कोई उन्हें परेशान करता है, जिस कारण वह खूंखार होने लगते हैं। उनके हमला करने का यही कारण है। श्वानों को भी अपना घर चाहिए होता है लेकिन लोग नहीं समझते। पियूष मोहिते अपने साथ जर्मनी की बाक्सर प्रजाति का श्वान लेकर आए जो बेहद फुर्तिला है। इसकी डाइड 600 ग्राम चिकन है। मासिक खर्च 12 से 15 हजार रुपये है। ये अपने मालिक के इशारे पर दुश्मन पर छिपकर अटैक कर सकता है। इसके पपी की कीमत 30 हजार से 25 लाख तक होती है। उम्र 14 माह, शरीर शेर से कम नहीं त्रिलंगा निवासी नीता दुबे अपने साथ जर्मनी का ग्रेडडैन श्वान लेकर आईं, जो सिर्फ 14 माह का था लेकिन उसका शरीर किसी शेर से कम नहीं था। उसकी हाइट अभी एक से डेढ़ वर्ष तक और बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि यह शांत स्वभाव का है। वह 24 घंटे हमारे साथ रहता है। यह पैडीग्री खाता है। उन्होंने कहा कि मेरे पास दो नश्ल के श्वान है, जो बहुत कम भोंकते हैं। इसके लिए अलग से ट्रेनर रखा है। साथ ही अलग से कैनल बनाया है। इसकी सेवा में हर माह 25 हजार से अधिक का खर्चा आता है। साइबेरियन हस्की ने भी लुभाया करन चंवरे साइबेरियन हस्की श्वान लेकर आए जो भेड़िया प्रजाति का है। इसे वह रशिया से लाए थे। इसके पपी की कीमत 60 हजार से 1.5 लाख तक होती है। इस डाइट में मछली, मीट, चिकन शामिल है। भेड़िया प्रजाति का होने के कारण ये काफी आक्रमक होते है। तिब्बत का श्वान भोपाल में एक, देश में तीन डा. अक्षय दिवाकर के पास तिब्बत का लियोन वर्जन श्वान है। वह बताते हैं कि इसे मैंने पहले तीन वर्ष तक तिब्बत में पाला। जब यह छोटे होते हैं तो माइनस डिग्री में ही रह पाते हैं। अब यह भोपाल में भी रह पाता है। यह श्वान भारत में सिर्फ तीन लोगों के पास ही है। मेरे पास इसके दो बच्चे भी हैं लेकिन किसी को नहीं दे रहा हूं। इसके लिए ट्रेनर भी रखा है।

# आज लेखानुदान पेश करेगी मोहन सरकार वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कही यह बात

**सिटी चीफ भोपाल।**

मप्र विधानसभा के चालू सत्र में आज मोहन सरकार द्वारा लेखानुदान पेश किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री वित्त जगदीश देवड़ा सदन के पटल पर वर्ष 2024-25 के लिए लेखानुदान प्रस्तुत करेंगे। मोहन सरकार लोकसभा चुनाव के बाद जुलाई में पूर्ण बजट प्रस्तुत करेगी। लेखानुदान के माध्यम से विभागों को अप्रैल से जुलाई 2024 तक विभिन्न योजनाओं में राशि व्यय करने के लिए आवंटित की जाएगी। यह सभी वर्गों को साधने और संकल्प पत्र की पूर्ति की दिशा में कदम बढ़ाने वाला होगा। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा अपने अंतरिम बजट भाषण में प्रदेश की वित्तीय स्थिति का ब्योरा रखेंगे। इसके साथ ही अभी तक अर्जित सफलताओं का उल्लेख करते हुए सरकार की प्राथमिकताएं बताएंगे।वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने सुबह विधानसभा के लिए रवाना होने से पूर्व पत्रकारों से चर्चा में कहा कि हम अभी कोई नई योजना नहीं ला रहे हैं। चार माह के लिए अंतरिम बजट ला रहे। सभी वर्गों को ध्यान में रखकर ला रहे बजट। यहां पर यह बता दें कि वित्त विभाग द्वारा सभी सदस्यों को लेखानुदान की जानकारी पेन ड्राइव में दी जाएगी। जुलाई में जब बजट सत्र होगा, उसके पहले नए सदस्यों को टैबलेट दिए जाएंगे। चूंकि, यह बजट नहीं लेखानुदान है इसलिए इस पर सदन में विभागवार चर्चा नहीं होगी। ये होंगे प्रविधान मोटे अनाज की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना अंतर्गत प्रति क्विंटल दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि के लिए प्रविधान किया जाएगा। लाड़ली बहना को प्रतिमाह दी जाने वाली एक हजार 250 रुपये की राशि के हिसाब से चार माह का आवंटन महिला एवं बाल विकास विभाग को दिया जाएगा तो किसानों को बिना ब्याज के ऋण उपलब्ध कराने के लिए सहकारिता विभाग को ब्याज अनुदान योजना में राशि मिलेगी। तीन वर्षों के लिए 105 करोड़ रुपये की स्वीकृति सरकार ने

दी है। प्रदेश में अधोसंरचना विकास के लिए सात एक्सप्रेस वे बनाए जा रहे हैं। इसके लिए लेखानुदान में अंशदान रखा जाएगा। प्रधानमंत्री जन-मन और आवास योजना पर भी रहेगा जोर लेखानुदान में विशेष पिछड़ी जनजाति (बैगा, भारिया और सहरिया) बहुल क्षेत्रों में आवास निर्माण, सामुदायिक केंद्र, आंगनबाड़ी, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क सहित अन्य कार्यों के लिए प्रधानमंत्री जन मन योजना अंतर्गत राज्यांश रखा जाएगा। तीन वर्ष में साढ़े सात हजार करोड़ रुपये इस योजना में व्यय होंगे। इसी तरह प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण के लिए भी राज्यांश की व्यवस्था की जाएगी। इन मदों के लिए भी होगा आवंटन इसके अलावा अनुसूचित जाति-जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति और मेधावी विद्यार्थी योजना के लिए राशि निर्धारित की जाएगी। आयुर्वेदिक कालेज की स्थापना, जननी एक्सप्रेस वाहनों की संख्या में वृद्धि, सिंहस्थ 2028, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह सहित अन्य योजनाओं के लिए विभागों को राशि आवंटित की जाएगी। केन-बेतवा लिंक परियोजना के लिए भारत सरकार ने अंतरिम बजट में साढ़े तीन हजार करोड़ रुपये का प्रावधान रखा है। इस अनुपात में प्रदेश सरकार राज्यांश की व्यवस्था करेगी। एकीकृत पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना के लिए भी प्रतीकात्मक प्रविधान किया जा सकता है।

# शहीद भवन में नाटक बलिदान का मंचन, गौहर महल में बाग प्रिंट प्रदर्शनी का अंतिम दिन

**सिटी चीफ भोपाल।**

शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। सोमवार 12 फरवरी को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।माह का प्रादर्श - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय ने फरवरी माह के प्रादर्श के तहत भूटिया समुदाय के आध्यात्मिक उपकरण

फुरबा को प्रदर्शित किया है। वीथि संकुल में इसे सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है। चित्र प्रदर्शनी - मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में गोंड चित्रकार संतू तेकाम के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का संयोजन किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से रात आठ बजे तक देखा जा सकता है। लोककला प्रदर्शनी - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय द्वारा भारत के लोग नामक प्रदर्शनी श्रृंखला के अंतर्गत झारखंड के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन पर केंद्रित प्रदर्शनी आवृति भवन में सजाई गई है। इस प्रदर्शनी के जरिए मुंडा, संथाल, उरांव, बिरहोर, भूमिज, माल पहाड़िया, असुर, हो एवं गोंड जनजाति से संबंधित इंगारामासं के वैविध्यपूर्ण संकलन को दर्शाते हुए झारखंड के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन की झलक के प्रस्तुतीकरण का प्रयास है। प्रदर्शनी को सुबह 11 बजे से देखा जा सकता है। बाग प्रिंट प्रदर्शनी - धार जिले के बाग और कुक्षी में रहकर छपाई की परंपरा को आगे बढ़ा रहे शिल्पियों ने गौहर महल में बाग प्रिंट प्रदर्शनी लगाई है। इस प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से देखा जा सकता है। आज इस प्रदर्शनी का अंतिम दिन है। श्रीमद्भागवत कथा - मानस भवन में संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। 16 फरवरी तक चलने वाले इस आयोजन में रोज अपराह्न तीन घंटे अखिल भारतीय मानस संघ धर्म अध्यक्ष पंडित रामकृपालु उपाध्याय महाराज कथा सुना रहे हैं। समय दोपहर 2:30 बजे सायं 5:30 बजे तक है।

## काम की खबर : सब्जियों-अनाजों में कीटनाशकों की मौजूदगी तुरंत कर सकेंगे पता

**सिटी चीफ भोपाल।**

साग-सब्जी और मिट्टी-पानी में मौजूद कीटनाशकों की जांच करने के लिए अब बड़े प्रयोगशाला में जाने की जरूरत नहीं होगी। रैपिड किट की मदद से अब इसकी जांच आसानी से की जा सकेगी। यह किट भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआइ) से प्रदेश के हर जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग को भेजी जा रही है।जानकारों के अनुसार, खाद्य पदार्थ के संपर्क में आते ही इस पीले रंग के सेंसर पेपर का रंग कीटनाशक की मात्रा के अनुसार बदल जाता है। हल्का लाल से गहरा लाल तक का रंग कीटनाशक की मौजूदगी बताता है। इस किट का सेट अब प्रदेशभर में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को जांच

के लिए दिया जा रहा है। इससे सब्जी ही नहीं, अनाजों के सैंपल को भी अलग-अलग पद्धतियों से जांचा जा सकता है। अधिकारियों की मानें तो इस तरह की जांच के लिए करीब 250 रुपये तक का खर्च आएगा। कैंसर के बढ़ रहे मरीज जेपी अस्पताल के एमडी मेडिसिन डा. योगेंद्र श्रीवास्तव का कहना है कि कीटनाशकयुक्त सब्जियों और अनाज के माध्यम से ये कीटनाशक हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। इसकी वजह से आंखों में खुजली होना, मुंह में छाले पड़ना, बच्चों में उल्टी-दस्त की परेशानी होती है। माताएं यदि इस तरह की सब्जी का इस्तेमाल करती हैं तो यह दूध के जरिए बच्चों तक पहुंच जाता है। यह आने वाले समय में कैंसर का रूप भी ले लेता है।

### बादलों ने दिलाई ठिठुरन से राहत

# लगातार तीसरे दिन चढ़ा रात का पारा, दिन में ठंड बरकरार

**सिटी चीफ भोपाल।**

प्रदेश में बीते दो-तीन दिन से मौसम का मिजाज बदल गया है। दक्षिणी गुजरात के ऊपर मध्य समुद्र तल से 1.5 किलोमीटर की ऊंचाई पर चक्रवातीय घेरा अभी भी सक्रिय है, जो दक्षिण-पश्चिमी हवाओं के साथ अरब सागर से नमी खींच रहा है। उधर, दक्षिण कर्नाटक से लेकर विदर्भ तक फैली ट्रफ लाइन मध्य समुद्र तल से 0.9 किमी की ऊंचाई पर स्थित है, जो पूरे मध्य भारत में प्रति-चक्रवातीय दक्षिण-पूर्वी हवाओं के साथ बंगाल की खाडी से मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्सों की ओर नमी ला रही है। इन दो मौसमीय प्रणालियों के असर से प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में बादल छा रहे हैं और पूर्वी मध्य प्रदेश में कई जगहों पर बारिश हो रही है। कुछ जगहों पर ओले भी गिरे हैं।राजधानी भोपाल में भी

आंशिक बादलों का डेरा बरकरार है। मध्यम ऊंचाई पर छाए बादलों ने फिलहाल ठंड पर ब्रेक लगा दिया है। हवाओं का रुख उत्तरी व उत्तर-पूर्वी है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक भोपाल में लगातार तीसरे दिन रात के तापमान में इजाफा हुआ। वहीं दिन में तापमान दो दिन से लुढ़क रहा है। सोमवार को भोपाल में न्यूनतम तापमान 13.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 01 डिग्री सेल्सियस अधिक है। साथ ही पिछले दिन के न्यूनतम तापमान के मुकाबले भी 01 डिग्री ज्यादा है। तीन में रात के पारे में 04 डिग्री से ज्यादा उछाल आया है। वहीं रविवार को शहर का अधिकतम तापमान 23.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 04 डिग्री सेल्सियस और पिछले दिन के मुकाबले 0.9 डिग्री कम रहा। **दो दिन बाद बढ़ेगी ठंड** मौसम विज्ञानियों के मुताबिक मौसम का इस तरह का मिजाज अभी एक-दो दिन बना रह सकता है। मौसम साफ होने के कारण 14 फरवरी से फिर रात के तापमान में गिरावट होने लगेगी। राजधानी भोपाल में बादल बने रहने के कारण दिन के तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना कम है, लेकिन रात के तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना है।

## लेह में बलिदान अनिल वर्मा को मोहन यादव ने दी श्रद्धांजलि, परिवार को 11 लाख रुपये देने की घोषणा की

**सिटी चीफ भोपाल।**

भारतीय सेना में तैनात मध्यप्रदेश के सीहोर निवासी सूबेदार अनिल वर्मा ड्यूटी के दौरान मां भारती की सेवा में बलिदान हो गए थे। अनिल वर्मा के बलिदान के बाद उनके गांव में शोक की लहर है। वहीं मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी अनिल वर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की है। इसके साथ ही उन्होंने अनिल वर्मा के परिवार को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 11 लाख रुपये की राशि प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय के आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट कर कहा गया कि 'मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश की माटी के लाल, वीर सपूत सूबेदार श्री अनिल वर्मा जी के लेह क्षेत्र में मां भारती की सेवा में अपने प्राण न्यौछावर करने पर उनके चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित की है। इस बलिदान पर मुख्यमंत्री डॉ.

यादव ने सीहोर जिले के इछावर के ग्राम लसूडिया परिहार निवासी वीर जवान के परिजनों को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 11 लाख की राशि प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे वीर जवान की अंतिम यात्रा में कैबिनेट मंत्री करण सिंह वर्मा शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश की माटी के लाल, वीर सपूत सूबेदार श्री अनिल वर्मा जी के लेह क्षेत्र में मां भारती की सेवा में अपने प्राण न्यौछावर करने पर उनके चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित की है।

## संपादकीय

# भारत रत्नः पीएम मोदी का मास्टर स्ट्रोक...स्पष्ट हैं इसके राजनीतिक संदेश

*आर्थिक सुधारों, कृषि और कृषि विज्ञान क्षेत्र के दिग्गजों को देश के सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' से नवाज कर प्रधानमंत्री मोदी ने एक मास्टर स्ट्रोक खेला है, जिसके राजनीतिक संदेश स्पष्ट हैं।भारत रत्न का सम्मान दिए जाने और न दिए जाने के पीछे हमेशा से राजनीति होती रही है। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने इसे नया अर्थ और प्रासंगिकता दी है। प्रणब मुखर्जी, भूपेन हजारिका और नानाजी देशमुख हों या फिर लालकृष्ण आडवाणी और कर्पूरी ठाकुर, यह उन लोगों को सम्मानित करने की मोदी की राजनीति के स्पष्ट संकेत थे, जिन्हें कांग्रेस द्वारा नजर अंदाज और तिरस्कृत किया गया था। पूर्व प्रधानमंत्रियों पीवी नरसिम्हा राव और चौधरी चरण सिंह के साथ कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिए जाने की मोदी की नवीनतम घोषणा से यह पता चलता है कि उनकी सरकार भारत की समकालीन राजनीति और अर्थव्यवस्था में इन तीनों हस्तियों की भूमिका को कितना महत्व देती है। इन्हें क्रमशः पहली पीढ़ी के आर्थिक सुधारों, किसानों के हितों की वकालत करने वाले और बेहतर खाद्य उत्पादकता और सुरक्षा के लिए विज्ञान का उपयोग करने वाले चैंपियन के रूप में देखा जाता है। दिलचस्प यह है कि ये सभी 2024 के चुनावों के लिए नरेंद्र मोदी के अभियान के पसंदीदा विषय हैं। दरअसल, महान कृषि वैज्ञानिक डॉ. एमएस स्वामीनाथन को यह पुरस्कार 1960 के दशक में भारत के खाद्य संकट को खत्म करने के लिए हरित क्रांति को लाने में उनकी बड़ी भूमिका को मान्यता देता है। यह स्वामीनाथन की रणनीति ही थी, जिसकी बदौलत भारत के कृषि उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई। अमेरिकी कृषि वैज्ञानिक नॉर्मन बोरलॉग के सहयोग से बतौर वैज्ञानिक उनके काम के परिणामस्वरूप पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों को उच्च उपज की किस्म वाले बीज, पर्याप्त सिंचाई सुविधाएं और उर्वरक उपलब्ध कराए गए। वर्षों बाद, 2004 से 2006 के बीच राष्ट्रीय किसान आयोग के अध्यक्ष के रूप में डॉ. स्वामीनाथन ने सिफारिश की थी कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), जिस पर किसान अपनी फसलें सरकार को बेचते हैं, वह औसत उत्पादन लागत से कम से कम 50 फीसदी ज्यादा होना चाहिए। डॉ. स्वामीनाथन के योगदान का महत्व इस तथ्य से समझा जा सकता है कि आज ऐसा कोई दिन नहीं बीतता, जब किसानों के संघ कानूनी गारंटी के रूप में सभी उपज के लिए एमएसपी निर्धारित करने के लिए स्वामीनाथन फॉर्मूले को लागू करने की मांग न करते हों। यह महज संयोग तो नहीं हो सकता कि स्वामीनाथन को पुरस्कार तब दिया गया है, जब उपज की खरीद के लिए कानूनी गारंटी और बिजली के बिलों में संशोधन सहित अपनी लंबित मांगों के समर्थन में संयुक्त किसान मोर्चा और ट्रेड यूनियनों द्वारा अखिल भारतीय हड़ताल का आह्वान किया गया हो। दूसरी तरफ, चुनावी वर्ष में नरसिम्हा राव और चरण सिंह को भारत रत्न पुरस्कार महज उनके योगदान को मान्यता नहीं है, बल्कि यह मतदाताओं की याद्दाश्त को ताजा करने का मोदी का तरीका है कि कैसे उन्होंने नेहरू-गांधी परिवार को चुनौती दी थी, जिससे सोनिया और राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस के बारे में भाजपा का जो नैरेटिव रहा है, उसे ही मजबूती मिलती है। इससे पहले वरिष्ठ भाजपा नेता लाल कृष्ण आडवाणी और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा की गई थी। आडवाणी भाजपा के राम मंदिर आंदोलन का चेहरा थे, जिन्होंने 1992 के उन दृश्यों को देखा था, जब भीड़ द्वारा विवादित ढांचे को गिरा दिया गया था। कालांतर में इस आंदोलन ने एक लंबी कानूनी लड़ाई का रूप लिया, जिसकी परिणति सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले के रूप में हुई, जिसने भव्य मंदिर खोलने का मार्ग प्रशस्त किया। कर्पूरी ठाकुर की भूमिका तो और भी महत्वपूर्ण है। वह सिर्फ ओबीसी राजनीति का चेहरा नहीं थे, बल्कि कांग्रेस के कट्टर आलोचक और बिहार में कांग्रेस विरोधी आंदोलन का गढ़ भी थे। बिहार के पहले ओबीसी मुख्यमंत्री के तौर पर ठाकुर राज्य में ओबीसी के लिए कोटा शुरू करने वाले पहले व्यक्ति थे। नरसिम्हा राव नेहरू-गांधी परिवार से बाहर के पहले कांग्रेसी प्रधानमंत्री थे। उन्होंने 1991 में उदारीकरण की पहली लहर शुरू करने का राजनीतिक साहस दिखाया और 1996 तक बदलावों के लिए काम करते रहे, जब तक कि उनकी सरकार चुनाव हार नहीं गई। प्रधानमंत्री के रूप में अपने चुनौतीपूर्ण वर्षों के दौरान राव ने उस वक्त सोनिया गांधी के नजदीकी समझे जाने वाले शरद पवार और अर्जुन सिंह जैसे कांग्रेसी नेताओं की चुनौतियों का भी सामना किया। राव के कार्यकाल में गांधी परिवार और उनके समर्थकों के प्रभाव को कम किया गया, जिससे वह समकालीन कांग्रेस विरोधी नेताओं के लिए नायक बने। अयोध्या में विवादित ढांचे को बचाने में कथित विफलता के लिए सोनिया गांधी और दूसरे कांग्रेसी नेताओं ने राव को दोषी ठहराया, पर एक सुधारवादी के रूप में उनका कौशल इन सब पर हावी रहा। 1996 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस के जीतने में विफल रहने पर सोनिया गांधी और उनके वफादार नेताओं ने खुले तौर पर राव की विरासत को अस्वीकार कर दिया, जिस कारण देवगौड़ा और गुजराल के नेतृत्व में एक गठबंधन हुआ, जिसे कांग्रेस ने बाहर से समर्थन दिया। हालांकि दिसंबर, 2004 में अपनी मृत्यु तक राव डॉ. मनमोहन सिंह जैसे अपने वफादार नेताओं के लिए आदरणीय और अविभाजित आंध्र प्रदेश के लोगों के लिए राज्य के गौरवशाली पुत्र बने रहे। भाजपा का दावा है कि उनके पार्थिव शरीर को कांग्रेस मुख्यालय में रखने की अनुमति न देकर कांग्रेस नेतृत्व ने उनका अपमान किया राव को भारत रत्न सम्मान देने की घोषणा तब हुई है, जब आगामी अप्रैल-मई में लोकसभा चुनावों के साथ आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनाव भी होने हैं। तेलंगाना में भी राव को भारत रत्न दिए जाने की मांग बीआरएस जैसी पार्टियां लंबे समय से करती आई हैं। चरण सिंह मामले में, जो इंदिरा गांधी द्वारा केवल 24 सप्ताह के लिए प्रधानमंत्री बनाने के लिए दिए गए समर्थन के झांसे में आ गए थे, यह सम्मान जाट समुदाय में आज भी 'कुलक नेता' के रूप में प्रतिष्ठा के कारण उनकी प्रासंगिकता को रेखांकित करता है। उनकी राजनीति को महत्व देने वालों के लिए वह 1970 के दशक में गैर-कांग्रेसवाद का एक प्रमुख चेहरा थे और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के तौर पर किसानों के लिए उन्होंने जो किया, वह कृषि क्षेत्र के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उनके पोते और राष्ट्रीय लोकदल के नेता जयंत चौधरी को एनडीए में शामिल करने के प्रयासों की पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री मोदी के इस फैसले को देखा जा सकता है।*

# योजनाः बहुआयामी गरीबी में कमी, रोजगार के मौके जुटाने के लिए नए कौशलों में प्रशिक्षण की जरूरत

गरीबों के लिए रोजगार के मौके जुटाने की खातिर डिजिटल शिक्षा की कमियों को दूर करने के साथ उन्हें नए कौशलों में प्रशिक्षित करने की जरूरत है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में राज्यसभा में कहा कि पिछले नौ वर्षों में देश में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। लोगों को गरीबी से बाहर लाने में 80 करोड़ लोगों को दिए जा रहे निःशुल्क खाद्यान्न और अन्य कल्याणकारी योजनाओं की अहम भूमिका है। इससे पहले नीति आयोग की तरफ से भी वैश्विक मान्यता के मापदंडों पर आधारित बहुआयामी गरीबी इंडेक्स (एमपीआई) दस्तावेज जारी किया गया था बहुआयामी गरीबी इंडेक्स निकालने के लिए बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं वित्तीय समावेशन जैसी सुविधाओं पर आधारित 12 विभिन्न मानकों- पोषक तत्व, बच्चे की मृत्यु दर, माताओं के स्वास्थ्य, बच्चों के स्कूल जाने की उम्र, स्कूल में उनकी उपस्थिति, रसोई, ईंधन, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, आवास, संपदा व बैंक खातों को शामिल किया जाता है। इसके अनुसार, पिछले नौ वर्षों में भारत में करीब 25 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आ गए हैं। लेकिन अब भी देश में करीब 15 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी का सामना कर रहे हैं। इस दस्तावेज के मुताबिक, सरकार की विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं की इसमें अहम भूमिका रही है। यह भी महत्वपूर्ण है कि नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में पिछले नौ वर्षों में 5.94 करोड़, बिहार में 3.77 करोड़, मध्य प्रदेश में 2.30 करोड़, तो राजस्थान में 1.87 करोड़ लोग एमपीआई मानकों के हिसाब से गरीबी से मुक्त हुए है। इस हिसाब से अब करीब 15 करोड़ लोग एमपीआई मानक से जुड़ी सुविधाओं से वंचित रह गए हैं। ऐसे लोगों की संख्या बिहार में सबसे ज्यादा 26.59 फीसदी, झारखंड में 23.34 फीसदी, उत्तर प्रदेश में 17.40 फीसदी, छत्तीसगढ़ में 11.71 फीसदी, राजस्थान में 10.77 फीसदी, तेलंगाना में 3.76 फीसदी, हिमाचल में 1.88 फीसदी, तमिलनाडु में 1.48 फीसदी, केरल में 0.48 फीसदी है। सरकार ने 2030 तक देश के ऐसे सभी नागरिकों को बहुआयामी गरीबी से बाहर करने का लक्ष्य रखा है। इसी तरह विगत छह नवंबर को संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में गरीबी 2015-2016 के मुकाबले 2019-2021 के दौरान 25 फीसदी से घटकर 15 फीसदी पर आ गई है। विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) सहित दुनिया के विभिन्न सामाजिक सुरक्षा संगठनों द्वारा बहुआयामी गरीबी घटाने में भारत की खाद्य सुरक्षा की जोरदार सराहना की गई है। आईएमएफ द्वारा प्रकाशित शोध पत्र में कहा गया है कि सरकार द्वारा चलाई गई प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त खाद्यान्न कार्यक्रम ने कोविड-19 के कारण लगाए गए लॉकडाउन के प्रभावों की गरीबों पर मार को कम करने में अहम भूमिका निभाई है और इससे अत्यधिक गरीबी में भी कमी आई है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए अंतरिम बजट में बहुआयामी गरीबी के दायरे से देश की सभी जनता को पूरी तरह से मुक्त करने के पक्के इरादों और प्रयासों की कवायद स्पष्ट रूप से दिखाई दी है। इस नए अंतरिम बजट में वित्तमंत्री ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 के तहत बहुआयामी गरीबी के दायरे से बाहर निकालने वाले विभिन्न मदों पर किए गए वित्तीय आवंटन की तुलना में औसतन 10 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी की है। भारत को अब भी निम्न आय वाला देश माना जाता है। विभिन्न वर्गों की प्रति व्यक्ति आय में संतुलित वृद्धि से अधिक लोग गरीबी के दायरे से बाहर आएंगे और उनका जीवन बेहतर होगा। इसके साथ-साथ बहुआयामी गरीबी का सामना कर रहे परिवारों के युवाओं को कौशल प्रशिक्षण और डिजिटल कौशल से सुसज्जित करके रोजगार के जरिये सशक्तीकरण का अभियान सुनिश्चित करना होगा। इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि विकास की प्रक्रिया और गरीबी उन्मूलन में देश के कुछ प्रदेश बहुत पीछे छूट गए हैं। इन राज्यों के समावेशी विकास पर विशेष ध्यान देना होगा। चूंकि कोविड-19 के बाद बहुआयामी गरीबी को दूर करने के लिए इस वर्ग के युवाओं में डिजिटल शिक्षा की जरूरत बढ़ गई है और इसकी अहमियत रोजगार में भी बढ़ गई है। ऐसे में, गरीब एवं कमजोर वर्ग के युवाओं के लिए रोजगार के मौके जुटाने के लिए एक ओर सरकार को डिजिटल शिक्षा के रास्ते में दिखाई दे रही कमियों को दूर करना होगा, वहीं दूसरी ओर, उन्हें कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से नए हुनर सिखाए जाने की जरूरत होगी।

# नजरियाः आधी आबादी के अधिकारों पर इनकी बातें, इनका सच...

महिला विरोधी सामाजिक मानसिकता की बर्बर मिसाल एक फिल्म हजार करोड़ किनके भरोसे कमा ले जाती है? जिनके सिर इसका जुनून चढ़कर बोल रहा है, वही अगले महिला दिवस पर महिलाओं के हक में बड़ी-बड़ी बातें करते दिखेंगे।अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस में अभी कुछ देर है। लेकिन मैं महसूस कर रही हूं कि उसकी तैयारी शुरू हो चुकी है। महिला दिवस का पालन आजकल खूब धूमधाम से किया जाता है। सुबह-सुबह मुझे बहुत लोग, जिनमें महिलाएं और सामाजिक कार्यकर्ता ही ज्यादा होते हैं, फोन कर महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हैं। यह मुझे थोड़ा अटपटा लगता है। अगर महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार मिलते, तो महिला दिवस का कोई औचित्य ही नहीं था। यहां तो हालत यह है कि एक दिन की गहमागहमी के बाद महिलाओं के लिए पूरा साल संघर्ष में ही बीतता है। महिला-विरोधी सामाजिक मानसिकता का ताजा उदाहरण एनिमल नाम की फिल्म है, जो अब तक 900 करोड़ रुपये से भी अधिक का कारोबार कर चुकी है। बेहद लोकप्रिय यह फिल्म भयंकर नारी-विद्वेषी है। मैं सिर्फ भारत की बात नहीं कर रही। पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में अभी जहरीले मर्दवाद का प्रचलन है। महिला दिवस से ठीक पहले एक महिला-विद्वेषी फिल्म के प्रति समाज के जुनून को भला क्या कहेंगे? इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि आज एनिमल फिल्म का जुनून जिनके सिर चढ़कर बोल रहा है, कल वही महिला दिवस पर महिलाओं के हक में बड़ी-बड़ी बातें करेंगे! सच तो यह है कि आजकल महिला दिवस को जोर-शोर से मनाया भी जाता है। पिछले साल इसी खास दिन जब मैं बैंक गई, तो देखा कि उसे रंग-बिरंगे गुब्बारों से सजाया गया है। अंदर जाने पर एक कर्मचारी ने मुझे गुलाब भेंट कर विश भी किया था। परचून की दुकान पर गई, तो वहां भी दुकानदार ने मुझे विश किया था। उस दिन बैंक और दुकान में मैं जब तक रही, मैंने देखा कि आनेवाली हर महिला का स्वागत किया जा रहा है। देश-विदेश घूम चुकने बावजूद मेरे लिए यह नया अनुभव था। इसका मतलब तो यही है कि साधारण आदमी भी अब महिला दिवस के बारे में जानता है। उसे यह भी मालूम है कि इस दिन महिलाओं का सम्मान करना चाहिए। सवाल यह है कि महिलाओं के प्रति यह श्रद्धा भावना सिर्फ एक दिन के लिए सीमित क्यों है। ऐसा मैं जान-बूझकर ही कह रही हूं। अगर हमारा समाज सचमुच महिलाओं का सम्मान करता, उन्हें पुरुषों के बराबर समझता और महिलाओं के अधिकारों के लिए आवाज उठाता, तो अखबारों के पृष्ठ यौन अपराधों के वृत्तांतों से भरे हुए कतई न होते। फिर यह भी नहीं मान लेना चाहिए कि महिला दिवस के दिन महिलाओं के खिलाफ अपराध होता ही न होगा। इसीलिए महिलाओं के हक की लड़ाई लड़ते हुए भी महिला दिवस मुझे बहुत आकर्षित नहीं करता। यह कुछ उन अनुष्ठानों की तरह है, जिनके औचित्य-अनौचित्य पर सवाल उठाए बिना हमें जिनका पालन करना पड़ता है। महिला दिवस का आयोजन मुझे स्कूलों में कक्षा शुरू होने से पहले गाए जानेवाले राष्ट्रगान की तरह लगता है, जिसमें छात्र खड़े होते हैं, तो सिर्फ इसलिए कि यह एक नियम है। स्कूलों में अनेक छात्र ऐसे होते हैं, जिनका राष्ट्रगान से कोई भावनात्मक लगाव नहीं होता। ठीक उसी तरह महिला दिवस के अनुष्ठान में मेरी कोई रुचि नहीं है, क्योंकि मैंने पाया है कि महिला दिवस का सालाना अनुष्ठान किसी भी देश में स्त्रियों की स्थिति बदलने में मददगार साबित नहीं हुआ है। यह दिवस अब लगभग हर देश में मनाया जाता है। जब आम लोग महिला दिवस के महत्व और औचित्य को समझने लगे हैं, तब महिलाओं के साथ होनेवाले अपराधों में कमी क्यों नहीं होती? जब सामाजिक स्तर पर स्त्रियों के प्रति कोई उदार बदलाव नहीं है, कन्या भ्रूणहत्या से लेकर शिक्षा और रोजगार के मोर्चे पर महिलाओं के प्रति दुराव कायम है, तो भला यह क्यों न माना जाए कि उपभोक्तावादी आयोजनों-अनुष्ठानों में यह भी एक सालाना अनुष्ठान है? अगर महिलाओं के हित में सचमुच ही कुछ करना है, तो उसके लिए साल के तीन सौ पैंसठ दिन हैं। लेकिन चलन यह है कि एक दिन तो महिलाओं के हित में बड़ी-बड़ी बातें करो और पूरे साल महिला-विरोधी अभियान चलाए रहो। अगर अपनी बात करूं, तो कहना पड़ता है कि नारी-विरोधी समाज में बैठकर मैं पिछले करीब चालीस साल से महिलाओं के हक में लिख रही हूं। इसके बावजूद कोई बड़ा और सार्थक बदलाव तो कहीं दिख नहीं रहा। फिर यह भी लगता है कि मैंने भला कितना बड़ा जोखिम उठाया। हजारों नारीवादियों ने हजारों साल से महिलाओं के लिए मुझसे कहीं ज्यादा बड़ा जोखिम उठाया है। उनकी लड़ाई के आगे मेरा अभियान तो बहुत ही छोटा है। चूंकि स्त्रियों को उनके अधिकार आज तक नहीं मिले हैं, जो पुरुषवर्चस्ववादी समाज में आसान नहीं हैं, इस कारण उनके लिए लड़ने वाली असंख्य महिलाओं की लड़ाई को भी मान्यता नहीं मिली है। महिलाओं को न्याय देने के विपरीत इन दिनों कई देशों में पुरुष संरक्षण समिति और पुरुषों को अधिकार दिलाने जैसे संगठन खड़े हो गए हैं। जहां इस तरह के कदम उठाए जा रहे हों, वहां महिलाओं को न्याय और अधिकार दिलाने का अभियान कितना पीछे चला गया होगा, इसकी कल्पना ही की जा सकती है। हालांकि इस चौतरफा हताशा के बीच कहीं-कहीं उम्मीद भरे दृश्य भी दिखाई पड़ते हैं। कुछ समय पहले मैंने काबुल की सड़कों पर कुछ पुरुषों को नीला बुर्का पहने और हाथ में बैनर लिए गुजरते देखा था। वे स्त्रियों पर होनेवाला अत्याचार खत्म करने के लिए अभियान चला रहे थे। मैं वह दृश्य देखकर मुग्ध थी। महिलाओं के हक में सड़कों पर निकलने वाले अन्य जुलूसों से वह जुलूस ज्यादा मर्मस्पर्शी और तार्किक था। हालांकि काबुल की सड़क पर उस दिन अफगान पुरुषों की संख्या पंद्रह-बीस से ज्यादा नहीं थी। जबकि मैं चाहती हूं कि यह संख्या बढ़े। मुझे पश्चिम के देशों की याद आई, जहां महिलाओं के अधिकारों की लड़ाई लड़ने के लिए महिलाओं के जूते पहनकर पुरुष सड़कों पर एक मील तक चले थे। उनकी मांग थी कि महिलाओं के खिलाफ यौन अपराध समेत जो तमाम अपराध पुरुष करते हैं, वे सब बंद हों। तुर्किये और भारत में भी महिलाओं के अधिकारों के लिए पुरुषों को सड़कों पर उतरते देखा गया है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर भी महिलाओं के प्रति सच्चा सम्मान दिखाने वालों की संख्या बढ़ रही है। जब तक महिलाओं के अधिकारों के लिए सड़कों पर अधिक से अधिक पुरुष नहीं उतरेंगे, तब तक महिलाओं के जीवन में वास्तविक बदलाव आना संभव नहीं है।

# भस्मारती में त्रिपुंड और त्रिशूल से बाबा महाकाल का श्रृंगार, प्रथम घंटाल बजाकर अर्पित किया हरिओम

प्रथम घंटाल बजाकर बाबा महाकाल को हरिओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती कर भगवान के मस्तक पर त्रिपुण्ड और त्रिशूल अर्पित कर श्रृंगार किया। भगवान को भांग चन्दन और त्रिपुण्ड अर्पित करने के बाद ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढककर भस्म रमाई गई।विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में माघ शुक्ल पक्ष की द्वितीया पर रविवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे पुजारी ने गर्भगृह में स्थापित भगवान की प्रतिमाओं का पूजन किया। भगवान महाकाल का दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से जलाभिषेक कर पूजन किया गया। इसके बाद प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद भगवान महाकाल के मस्तक पर त्रिपुण्ड और त्रिशूल अर्पित कर श्रृंगार किया। भगवान को भांग चन्दन और त्रिपुण्ड अर्पित करने के बाद ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढककर भस्म रमाई गई।भस्म अर्पित करने के पश्चात भगवान महाकाल को शेषनाग का रजत मुकुट, मुण्डमाल, रुद्राक्ष और मोगरे-गुलाब के सुगंधित पुष्पों की माला अर्पित की गई। फल और मिष्ठान का भोग लगाया गया। भस्म आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे जिन्होंने बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया।

## सिंगल कॉलम

### प्रभास के साथ बनेगी रश्मिका मंदाना की जोड़ी?

**पुष्पा 2' के बाद 'स्पिरिट' में करेंगी अभिनय**

डेस्क। रश्मिका मंदाना इन दिनों 'पुष्पा 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं। एक बार फिर वे साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन के साथ धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। वहीं इस बीच अभिनेत्री की अगली फिल्म से जुड़ी कुछ खबरें सामने आई हैं। खबर है कि रश्मिका मंदाना की जोड़ी साउथ सुपरस्टार प्रभास के साथ बन सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रभास की आने वाली फिल्म 'स्पिरिट' में मुख्य अभिनेत्री के तौर पर रश्मिका मंदाना के नाम की चर्चा है। हालांकि, अभी तक इस बारे में आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अगर इन खबरों में सच्चाई हुई और रश्मिका 'स्पिरिट' का हिस्सा बनीं तो यह प्रभास के साथ अभिनेत्री की पहली फिल्म होगी। यह पहली बार होगा जब प्रभास और रश्मिका की जोड़ी को फैंस पर्दे पर देखेंगे। यह निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के साथ रश्मिका मंदाना की दूसरी फिल्म भी होगी। उन्हें हाल ही में संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'एनिमल' में देखा गया था, जिसमें बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर भी मुख्य भूमिका में थे। हालांकि, 'स्पिरिट' के बारे में अभी ज्यादा जानकारी आने का इंतजार है। फिल्म की शूटिंग को लेकर इससे पहले संदीप रेड्डी वांगा से सवाल पूछा गया था तो उन्होंने कहा था कि फिल्म की शूटिंग सितंबर 2024 में शुरू होने की उम्मीद है। वहीं इन दिनों संदीप अपनी 'एनिमल' की दमदार सफलता का जश्न मना रहे हैं। वहीं 'स्पिरिट' को लेकर भी फैंस काफी उत्साहित हैं और उन्हें उम्मीद है कि इस फिल्म में भी प्रभास का खास अंदाज देखने को मिल सकता है। वहीं अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों 'पुष्पा 2ः द रूल' के लिए शूटिंग कर रही हैं। फिल्म की शूटिंग हैदराबाद में तेजी से हो रही। इससे पहले फिल्म की शूटिंग कुछ दिनों के लिए रोक दी गई थी, क्योंकि फिल्म के अभिनेताओं में से एक जगदीश भंडारी को हैदराबाद पुलिस ने एक जूनियर कलाकार की आत्महत्या के मामले में गिरफ्तार कर लिया था। जगदीश की गिरफ्तारी के बाद से फिल्म की शूटिंग में देरी हुई, लेकिन अब शूटिंग को समय पर खत्म करने के लिए इस पर तेजी से काम किया जा रहा है। कहा जा रहा है कि आरएफसी में दो यूनिट अलग-अलग जगहों पर शूटिंग में व्यस्त हैं।

# आमिर खान ने लाल सिंह चड्ढा के फ्लॉप होने पर फिल्मों से लिया ब्रेक... किरण ने किया खुलासा

नई दिल्ली । बॉलीवुड के परफेक्शनिस्ट आमिर खान की मच-एनटीसिपेटेड फिल्म लाल सिंह चड्ढा में रिलीज हुई थी. इस फिल्म से आमिर को काफी उम्मीदें थी. लेकिन बॉक्स ऑफिस पर वो उम्मीद रंग लाती दिखाई नहीं दी थी. बिग बजट में बनी इस फिल्म ने बमुश्किल 60 करोड़ की कमाई की थी. एक्टर की एक्स-वाइफ और डायरेक्टर किरण राव ने अब खुलासा किया है कि वो इस फेल्योर से कितने डिप्रेडस्ड हो गए थे. किरण ने बताया कि आमिर को गहरा झटका लगा था.

**आमिर का टूटा दिल**

वैसे तो खुद आमिर खान भी एक इंटरव्यू में इस बात का जिक्र कर चुके हैं कि उन्हें लाल सिंह चड्ढा फिल्म के फ्लॉप होने से धक्का लगा था. उन्हें इसकी बिल्कुल उम्मीद नहीं थी. लेकिन को दिए इंटरव्यू में किरण ने बताया कि वो फिल्म को फ्लॉप होने से किस कदर दुखी थे. उनका दिल टूट गया था. साथ ही बताया कि कैसे उन्होंने अपने इस फेल्योर से सबक लिया.

किरण बोलीं- ये एक्चुअल में निराशाजनक है, जब आप हर तरह की कोशिश करते हैं, पर हर वो कोशिश काम नहीं कर पाती है, जो कि लाल सिंह चड्ढा के साथ हुआ. इसने सही मायने में आमिर को काफी गहराई से प्रभावित किया. इसने हम सभी को प्रभावित किया क्योंकि ये एक ऐसा प्रोजेक्ट था, जिसने कई फेज देखे थे. इसने कोविड-19 के रोलरकोस्टर के दौरान काम



किया था. लाल सिंह चड्ढा आमिर के लिए एक ड्रीम प्रोजेक्ट था. हमारे इसे बनाने से पहले वो एक दशक से स्क्रिप्ट के राइट्स को पाने के लिए इसपर काम कर रहे थे.

ओटीटी पर मिले अच्छे रिव्यूज

तो, यह सही में बहुत डिप्रेसिंग था. मैं एक्चुअल में खुश हूं कि लाल सिंह चड्ढा की ओटीटी रिलीज के बाद लोग सोशल मीडिया पर अच्छे रिएक्शन दे रहे हैं. क्योंकि मुझे लगता है कि फिल्म को उतना मौका नहीं मिला. लेकिन ये काम नहीं कर सका और हमें इस बात को स्वीकार करना होगा कि दर्शकों को यह पसंद नहीं आया या वे इस फिल्म को देखना नहीं चाहते थे.

इसी के साथ किरण ने बताया कि आमिर ने इससे कैसे कोप-अप किया. किरण बोलीं- आमिर एक क्रिएटिव एनिमल हैं. वो दिल से बहुत क्रिएटिव इंसान हैं और जो करते हैं बहुत परफेक्शन के साथ करते हैं. ये उनके ष्ठ्ठ में है. आप उनसे किसी कहानी को कहने का तरीका नहीं छीन सकते हैं. और ईमानदारी से कहूं तो, मुझे लगता है कि बॉक्स ऑफिस पर इतनी बड़ी असफलता के बाद उसे दोबारा जांचने और यह देखने के लिए समय निकालने की जरूरत थी कि वो क्रिएटीविटी कहां चली गई है.

**आमिर ने क्यों लिया ब्रेक**

किरण ने कहा- आमिर खान उन कुछ लोगों में से एक है, जो कड़वा नहीं होगा बल्कि यह भी कहेगा, 'ठीक है. मैं सबसे पहले हटूंगा और समझूंगा कि मैं क्या गलत कर रहा हूं, या मैं सही में आगे क्या करना चाहता हूं. और यह कहने के बाद कि वो कुछ नहीं कर रहे हैं, आमिर अब छह फिल्में और बना रहे हैं. तो क्लियर है कि छुट्टी के समय का उन्होंने सही उपयोग किया है.

लाल सिंह चड्ढा में आमिर खान के साथ करीना कपूर, मोना सिंह और नागा चैतन्य भी लीड रोल में थे. फिल्म हॉलीवुड की ऑस्कर विनिंग फिल्म फॉरेस्ट गम्प का हिंदी रीमेक थी. फॉरेस्ट गम्प 1994 में रिलीज हुई थी, इसमें टॉम हैंक्स लीड रोल में थे.

# बॉक्स ऑफिस पर तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया को मिला अच्छा रिस्पॉन्स

मुंबई । शाहिद कपूर और कृति सेनन की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया शुक्रवार, 9 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की है। ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि वैलेंटाइन वीक में आई ये रोमांटिक ड्रामा फिल्म वीकेंड पर अच्छी कमाई कर सकती है।

फिल्म ने पहले दिन 6.5 करोड़ रुपये की कमाई की है। फिल्म की कहानी यह है कि शाहिद कपूर को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करके बनाए गए रोबोट से प्यार हो जाता है। रोबोट की भूमिका कृति सेनन ने निभाई है। उनके किरदार का नाम



सिफरा है। शाहिद कपूर के किरदार का नाम आर्यन अग्निहोत्री है और वह एक इंजीनियर हैं। आर्यन को न सिर्फ रोबोट से प्यार हो जाता है बल्कि वह उससे शादी भी कर लेता है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक यह फिल्म लगभग 50 करोड़ रुपये के बजट पर बनाई गई है। फिल्म ने पहले दिन अच्छी शुरुआत की है, इसलिए ऐसा लग रहा है कि वीकेंड पर फिल्म बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में इजाफा करेगा। तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया अमित जोशी और आराधना साह द्वारा लिखित और निर्देशित है। इसका निर्माण दिनेश विजान, ज्योति देशपांडे और लक्ष्मण उतेकर ने किया है।

फिल्म में शाहिद और कृति के साथ-साथ धर्मेंद्र और डिंपल कपाड़िया भी अहम भूमिका में हैं। इस फिल्म को सोशल मीडिया पर अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। दर्शकों को शाहिद और कृति की केमिस्ट्री भी खूब पसंद आ रही है। फिल्म को आईएमडीबी पर 6.5 रेटिंग मिली है।

## पीएम बनने की इच्छा के सवाल पर कंगना रनौत ने दिया मजेदार जवाब

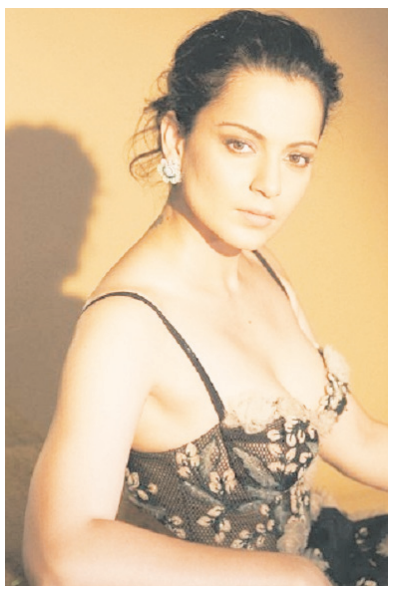



मुंबई । बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत हमेशा चर्चा में रहती हैं। कभी अपनी फिल्मों को लेकर तो कभी अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर। उनकी तीनों फिल्में धाकड़, तेजस और चंद्रमुखी-2 बॉक्स ऑफिस पर सुपरफ्लॉप रहीं। अब कंगना की फिल्म 'इमरजेंसी' जल्द ही दर्शकों के सामने आने वाली है। इस फिल्म का सभी को बेसब्री से इंतजार है। ऐसे में कंगना ) का एक बयान चर्चा में है कि वे भारत की प्रधानमंत्री बनने की इच्छा रखती हैं। कंगना रनौत इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'इमरजेंसी' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। हाल ही में एक कार्यक्रम में प्रश्न पूछा गया कि क्या वह देश की प्रधानमंत्री बनना चाहती थीं। एक्ट्रेस ने जो जवाब दिया उसने सभी का ध्यान खींचा है। उन्होंने कहा कि मैं इमरजेंसी नामक एक फिल्म कर रही हूं। इस फिल्म को देखने के बाद कोई भी मुझे प्रधानमंत्री नहीं देखना चाहेगा। फिल्म 'इमरजेंसी' काल पर बनी है। इसमें 25 जून 1975 को देश में शुरू हुए आपातकाल के हालात को दिखाया जाएगा। इस फिल्म का निर्देशन खुद कंगना रनौत ने की है।फिल्म में वह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका में नजर आएंगी। श्रेयस तलपड़े भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की भूमिका में नजर आएंगे। अनुपम खेर प्रमुख समाजवादी नेता जय प्रकाश नारायण की भूमिका निभाएंगे। अब संजय गांधी के किरदार में एक्टर विसाक नायर नजर आएंगे। राजनीति में उतरेंगी कंगन देश में 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार आने के बाद से भाजपा के हर रुख का खुलकर समर्थन करने वाली एक्ट्रेस कंगना अब चुनाव मैदान में उतरने जा रही हैं। कंगना के भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ेंगी। कंगना के पिता ने कहा था कि वह किस सीट से चुनाव लड़ेंगी इसका फैसला पार्टी करेगी। कंगना रनौत ने हाल ही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तारीफ की। उन्होंने कहा कि आरएसएस ने देश के लिए बहुत कुछ किया है और आज भी वह देश को एकजुट रखने के लिए काम कर रहा है। मेरी विचारधारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से मिलती जुलती है। मैं इस देशभक्त संगठन की कार्यप्रणाली से प्रभावित हूं। उन्होंने कहा था कि सत्ता में आने के बाद आरएसएस के तहत प्रशिक्षित लोगों ने जो काम किया, वह 70 साल में नहीं हो सका। कुछ दिन पहले उन्होंने यह भी कहा था कि देश में नरेन्द्र मोदी की सरकार आने के बाद ही देश को सच्ची आजादी मिली।

# मिथुन चक्रवर्ती की सेहत में अब सुधार, कुछ टेस्ट के बाद मिलेगी अस्पताल से छुट्टी

नई दिल्ली । बॉलीवुड एक्टर मिथुन चक्रवर्ती की सेहत में अब सुधार है और उन्हें जल्द ही हॉस्पिटल से डिसचार्ज कर दिया जाएगा। सीने में दर्द की शिकायत के बाद एक्टर को कोलकाता के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था और डॉक्टरों ने बताया कि उन्हें ब्रेन स्ट्रोक आया था। हॉस्पिटल की मेडिकल फैसिलिटी द्वारा जारी किए लेटेस्ट हेल्थ अपडेट में बताया गया है कि मिथुन अब स्टेबल हैं और लगातार उनकी तबीयत में इंप्रूवमेंट देखने को मिल रहा है। एक्टर अब पूरी तरह होश में हैं और रिकवरी प्रोसेस के दौरान काफी एक्टिव दिख रहे हैं।

**अब से बाहर हैं मिथुन दा, जल्द होंगे डिसचार्ज**

डिसचार्ज किए जाने से पहले उनके कुछ टेस्ट होना अभी बाकी हैं जिसके बाद एक्टर को वापस घर भेज दिया जाएगा। मिथुन चक्रवर्ती की सेहत के बारे में खबर मिलने के बाद पूर्व क्रिकेटर सौरव गांगुली और



पश्चिम बंगाल बीजेपी प्रमुख सुकांत मजूमदार उनसे मिलने पहुंचे थे। मिथुन चक्रवर्ती अभी बंगाली फिल्म 'शास्त्री' की शूटिंग कर रहे थे और इस फिल्म में उनकी को-स्टार देबाश्री रॉय ने बताया है कि एक्टर की सेहत अब पहले से कहीं बेहतर है और उन्हें ङ्घ्रट्ट से बाहर रिकवरी वॉर्ड में ले आया गया है।

**कोस्टार देबाश्री ने भी दिया हेल्थ को लेकर अपडेट**

देबाश्री ने जूम टीवी के साथ बातचीत में कहा कि मिथुन के शुगर लेवल काफी नीचे चले गए थे और वह बहुत असहज महसूस कर रहे थे। एक्ट्रेस ने बताया कि फिल्म शास्त्री का अगला शेड्यूल पोस्टपोन कर दिया गया है और अब यह 23 फरवरी को नहीं होगा। वहीं इस फिल्म के निर्देशक पथिकृत बासु ने कहा, ﬂमिथुन दा ने कहा कि है वो जल्द ही फिल्म की शूटिंग शुरू कर पाएंगे। उन्होंने इस बारे में भी बात की कि सेट पर लौटने के बाद चीजें किस तरह से एग्जिक्यूट की जाएंगी।

**डांस रियलिटी शो को जज करते हैं मिथुन चक्रवर्ती**

मालूम हो कि मिथुन चक्रवर्ती को जनवरी 2024 में उनके भारतीय सिनेमा में अद्वितीय योगदान के लिए पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्टर अभी डांस रियलिटी शो 'डांस इंडिया डांस' को जज करते हैं। इस शो में उनके साथ मौनी रॉय, सुभाश्री गांगुली और पूजा बनर्जी भी नजर आती हैं। सोशल मीडिया पर फैंस लगातार अपने फेवरिट एक्टर की सेहत जल्द अच्छी होने की प्रार्थना करते दिखाई पड़े।

# बिग बॉस 17 में मुझे देखकर वो फिक्रमंद हो गई अंकिता ने बताया बहन जैसा है कंगना संग रिश्ता

नई दिल्ली । सलमान खान होस्टेड रियलिटी टीवी शो 'बिग बॉस 17' की कंटेस्टेंट रहीं एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे ने एक इंटरव्यू में कंगना रनौत के साथ उनके रिश्तों पर बातचीत की। कंगना रनौत और अंकिता लोखंडे एक साथ फिल्म 'मणिकर्णिका' में काम कर चुकी हैं। अंकिता लोखंडे ने बताया कि कैसे 'बिग बॉस 17' में उन्हें देखकर कंगना रनौत थोड़ी फिक्रमंद हो गई थीं। सिद्धार्थ कनन के साथ बातचीत में अंकिता ने बताया कि उनका कंगना रनौत के साथ बहन जैसा रिश्ता है और कैसे दोनों ने कभी नहीं सोचा था कि वो इतने क्लोज आ जाएंगे।

कंगना रनौत ने इंटरव्यू में कहा, असल में मैंने और कंगना ने कभी सोचा नहीं था कि हम इतने क्लोज आ जाएंगे, लेकिन जब हम 'मणिकर्णिका' पर मिले और जब कंगना ने मुझे डायरेक्ट करना चालू किया तब से हमारे रिश्ते की नींव मजबूत होती चली गई।ﬂ मालूम हो कि कंगना रनौत अपनी फिल्म 'तेजस' को प्रमोट करने के सिलसिले में 'बिग बॉस 17' के सेट पर पहुंची थीं और उन्होंने जाकर घर के सदस्यों से मुलाकात भी की थी।

**'मेरी और कंगना रनौत की वो वाइब मैच करती है'**

इस मुलाकात के दौरान 'बिग बॉस 17' के बाकी खिलाड़ियों को यह चीज खली कि कंगना रनौत ने अंकिता लोखंडे को ज्यादा इंपॉर्टेंस और अटेंशन दिया। सिद्धार्थ के साथ बातचीत में अंकिता लोखंडे ने बताया, कंगना और मेरी कहानी ऐसे कुछ है नहीं, लेकिन वो हमेशा देखकर मुझे बोलती है कि यार ये तो हमारे जैसे हैं, पागल एकदम पागल। तो मुझे लगता है कि वो वाइब है मेरी और कंगना रनौत की जो मैच कर जाती है।

**अंकिता लोखंडे और कंगना की 4 घंटे की मुलाकात**- अंकिता ने यह भी बताया कि कंगना उनकी मां से टच में रहीं। बिग बॉस 17 के फिनाले वीक तक का सफर तय करने में कामयाब रहीं अंकिता लोखंडे ने बताया, मैं आपसे यह कहना चाहूंगी कि जब मैं बिग बॉस में थी तब भी कंगना ने मेरी मां से बात की और जो कुछ भी मेरी जिंदगी में चल रहा था उसे लेकर वो बहुत चिंता कर रही थी। अंकिता ने बताया कि उनके बिग बॉस हाउस से बाहर आने के बाद कंगना रनौत ने उनसे 4 घंटे तक बात की और उन्हें समझाया कि आगे उन्हें चीजों को कैसे हैंडल करना चाहिए।

# लोकसभा चुनाव 2024 से पहले 50 कांग्रेस नेताओं को इनकम टैक्स का समन

भोपाल । मध्य प्रदेश की सियासत से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है. लोकसभा चुनाव 2024 से पहले इनकम टैक्स डिपार्टमेंट) की ओर से कांग्रेस नेताओं को समन भेजा गया है. सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश कांग्रेस के करीब 50 नेताओं को इनकम टैक्स का समन पहुंचा है. सभी को दिल्ली के इनकम टैक्स ऑफिस बुलाया गया है. जानकारी के अनुसार, सभी कांग्रेस नेताओं को अलग-अलग तारीख पर दिल्ली बुलाया गया है. मंगलवार 13 फरवरी को शाम 5.00 बजे कांग्रेस नेता देवाशीष को आईटी ऑफिस में पेश होना होगा. वहीं, समन में यह साफ किया गया है कि जब तक पूछताछ चलेगी, तब तक नेता को इनकम टैक्स दफ्तर में ही रहना होगा. वहीं, बिना अधिकारी की परमिशन के बिना उन्हें दफ्तर से वापस जाने की इजाजत नहीं होगी.

**पिछले सात साल का देना होगा हिसाब-किताब**

इतना ही नहीं, सभी नेताओं को पिछले सात साल में लेनदेन का हिसाब लेकर आईटी दफ्तर जाना होगा. समन में साल 2014 से 2021 तक के वित्तीय लेनदेन के सभी कागजात लेकर आने के निर्देश दिए गए हैं.

**इन कांग्रेस नेताओं का नाम भी शामिल** बता दें, देवाशीष जरारिया ने साल 2019 में लोकसभा चुनाव लड़ा था. विक्रांत भूरिया यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और वर्तमान में विधायक हैं. वहीं, कांग्रेस के गोविंद गोयल वरिष्ठ कांग्रेस नेता को भी बुलाया गया है.

**केंद्र सरकार पर लगाया गया ये आरोप**

वहीं, देवाशीष जरारिया ने केंद्र सरकार पर परेशान करने का आरोप लगाया है. उनका कहना है कि केंद्र सरकार विपक्षी नेताओं को परेशान कर रही है. ईडी और आईटी डिपार्टमेंट का डर दिखाया जा रहा है. लेकिन हम इस समन से डरने वाले नहीं हैं. कांग्रेस नेताओं ने यह भी कहा है कि ढूंढ के अधिकारियों के खिलाफ अनुसूचित जाति के तहत केस दर्ज करवाएंगे.

# पेटीएम को बचाने के लिए आगे आए छोटे कारोबारी

मुंबई । फिनटेक कंपनी पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस ने कहा है कि संकट के इस समय में उसे छोटे कारोबारियों का सहयोग मिला है. इन मर्चेंट पार्टनर्स ने पेटीएम पर भरोसा जताया है. इसके बदले में कंपनी ने उन्हें सेवाएं जारी रखने का भरोसा दिया है. फिनटेक कंपनी का दावा है कि इन पार्टनर्स को हमारी पेमेंट प्रोसेस को आसान बनाने की काबिलियत पर पूरा भरोसा है.

बैंकिंग पार्टनर तलाश रही पेटीएम

पेटीएम पेमेंट्स बैंक के खिलाफ हुई रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की सख्त कार्रवाई के चलते फिनटेक कंपनी पेटीएम मुसीबतों का सामना कर रही है. आरबीआई ने बैंक पर 29 फरवरी के बाद किसी भी तरह का डिपॉजिट लेने पर रोक लगाई है. इसके बाद पेटीएम ने अपनी ब्लॉग पोस्ट में यूजर्स और मर्चेंट पार्टनर्स को भरोसा दिलाया था कि पेटीएम एप और उसकी सेवाएं पूरी क्षमता के साथ काम करती रहेंगी. कंपनी पिछले 2 साल से कई बैंकों के साथ मिलकर काम कर रही है. इसलिए बैंकिंग पार्टनर का साथ कंपनी को आसानी से मिल जाएगा.

**कई कंपनियां सेवाओं का करना चाहती हैं इस्तेमाल**

पेटीएम के मुताबिक, उनकी पार्टनर कंपनी हॉटस्पॉट रिटेल प्राइवेट लिमिटेड के सीओओ सत्य एन सत्येंद्र ने कहा है कि हम 2 साल से फिनटेक कंपनी के साथ काम कर रहे हैं. मैं चाहता हूं कि लोग पेटीएम की सेवाओं का इस्तेमाल करते रहें. वहीं, स्मैश के सीएमओ अवनीश अग्रवाल ने बताया कि हम फैमिली एंटरटेनमेंट ब्रांड होने के चलते पेटीएम की क्यूआर और कार्ड मशीनों का इस्तेमाल करते हैं. हमें पेटीएम से पूरा सहयोग मिला है और उनकी सेवाओं से हम संतुष्ट हैं.

**कस्टमर्स और कंपनियों को पेटीएम देती रहेगी सहयोग**

बीबा फैशन के पंकज मनियार ने कहा कि उनकी कंपनी के स्टोर्स पेटीएम के क्यूआर डिवाइस और कार्ड मशीन करते हैं. हमें पेमेंट से जुड़ी कोई समस्या नहीं हुई है. पेटीएम पर हमारे कस्टमर्स को भी भरोसा है. मर्चेंट पार्टनर्स से मिले इस सहयोग के बाद पेटीएम ने कहा कि हमारी टीम लगातार अपने कस्टमर्स और सहयोगी कंपनियों की मदद के लिए तैयार है.

# इंडियन कोस्ट गार्ड में 260 पदों पर भर्ती 12वीं पास इस दिन से करें अप्लाई

भारतीय तटरक्षक बल ने संगठन में नाविक की पोस्ट के लिए भर्ती अधिसूचित की है। आवेदन प्रक्रिया 13 फरवरी से शुरू होने वाली है। पंजीकरण विंडो खुलने के बाद, इच्छुक उम्मीदवार भारतीय तट रक्षक की आधिकारिक साइट join Indiancoastguard.cdac.in पर जाकर इस भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। भर्ती से जुड़ा विवरण नीचे पढ़ें। **27 फरवरी है अंतिम तिथि** 13 फरवरी को भर्ती प्रक्रिया शुरू हो जाने के बाद उम्मीदवारों के पास आवेदन करने के लिए 27 फरवरी तक का समय होगा। यह भर्ती अभियान 260 रिक्तियों को भरने के लिए चलाया जा रहा है। **पात्रता मानदंड** उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु 18 से 22 वर्ष के बीच होनी चाहिए। उम्मीदवारों का जन्म 1 सितंबर 2002 से 31 अगस्त 2006 के बीच हुआ होना चाहिए। **शैक्षणिक योग्यता** आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को काउंसिल ऑफ बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन (सीओबीएसई) द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से गणित और भौतिकी के साथ 10+2 उत्तीर्ण होना चाहिए। **आवेदन शुल्क** आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को 300 रुपये का आवेदन शुल्क जमा करना होगा।

# आरबीआई द्वारा सोने को हेज करने की नई नीति, बाजार को लाभ

आरबीआई द्वारा आईएफएससी के ओटीसी सेगमेंट में सोने की कीमतों को हेज करने की घोषणा की गई है। इससे सोने के लेनदेन में तरलता बढ़ेगी। इस कदम से ज्वैलर्स और आयातक दोनों को फायदा होगा। जब कोई जौहरी बैंकों या अन्य एजेंसियों से सोने की छड़ें खरीदता है, तो डिलीवरी में कई दिन लगते हैं, और इन प्रतीक्षा अवधि के दौरान सोने की कीमतों में बहुत उतार-चढ़ाव होता है। जिससे खरीदार के लिए जोखिम पैदा होता है।अब, भौतिक खरीदार अपनी स्थिति को सुरक्षित करने के लिए ओटीसी और अल्पकालिक वायदा में सोना खरीद सकते हैं। ओटीसी पर सोने की कीमतों की हेजिंग बेहद व्यवहार्य है और इससे एक जीवंत सोने का पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में मदद मिलेगी। इससे कुशल मूल्य खोज, गुणवत्ता का आश्वासन और सक्रिय खुदरा भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा और तरलता में वृद्धि होगी। इस कदम का सीधा फायदा सोना आयातकों, ज्वेलर्स और खुदरा विक्रेताओं को भी मिलेगा।स्वास्तिक इंवेस्टमार्ट के एनालिस्ट नृपेंद्र यादव के अनुसार सोने की कीमतों के लिए दृष्टिकोण अभी भी सकारात्मक है, क्योंकि चल रहे भू-राजनीतिक मुद्दे सोने की कीमतों का समर्थन करते हैं। यूएस फेड इस साल ब्याज दरों में कटौती करना शुरू कर देगा। जिससे सोने की कीमतों में तेजी आ सकती है क्योंकि केंद्रीय बैंक की नरम मौद्रिक नीति सोने की कीमतों का समर्थन करती है। दूसरी ओर, वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल ने अनुमान लगाया है कि 2024 में भारत में सोने की मांग पिछले साल की तुलना में बेहतर रहेगी, जो निचले स्तर पर सोने की कीमतों के लिए समर्थन का संकेत है। इलेक्ट्रॉनिक उद्योग से सोने की मांग में वृद्धि जारी रह सकती है, जिससे सोने और चांदी की खपत बढ़ेगी और इस प्रकार कीमतें ऊंची रहेंगी।एमसीएक्स में अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट वाले सोने को 61000 पर सपोर्ट और 66000 पर रेजिस्टेंस है।



# 9 महीने के अंदर तीनों फॉर्मेट में खिताब जीतने से चूके भारतीय, नहीं भेद पाई अंतिम किला

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीमने पिछले कुछ महीने में भारतीय टीम को खिताब जीतने से एक या दो बार नहीं बल्कि तीसरी बार रोक दिया है। रविवार को दक्षिण अफ्रीका के बेनोनी में अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान एक भी मैच नहीं हारने वाली उदय सहारन के नेतृत्व वाली भारतीय टीम खिताबी मुकाबले में पहुंचने के बाद भी ट्रॉफी जीतने से सिर्फ 79 रन पीछे रह गई। इस हार से भारतीय फैंस को गहरा सदमा लगा है क्योंकि कुछ महीने पहले ही ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम ने वनडे विश्व कप में भारत को मात दी थी और फैंस को उम्मीद थी की युवा ब्रिगेड उनको लगातार मिली निराशा के बाद जश्न मनाने का मौका देगी लेकिन ऐसा नहीं हो सका। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने पिछले 9 महीने के अंदर तीन बार भारतीय टीम को खिताबी मुकाबले में हराया है। भारत के फाइनल हारने की शुरुआत पिछले साल जून में हुए विश्व टेस्ट चैंपियन में हार के साथ होती है। दरअसल भारत के पास पहली बार टेस्ट चैंपियनशिप जीतने का शानदार मौका मिला था। भारतीय टीम लगातार दूसरी बार टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले में पहुंची थी लेकिन ओवल में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम 209 से हार गई। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ट्रेविस हेड और स्टीव स्मिथ के शतक की बदौलत पहली पारी में 469 रन बनाए। इसके जवाब में भारतीय टीम पहली पारी में अजिंक्य रहाणे के 89 रन की बदौलत 296 रन ही बना सकी। ऑस्ट्रेलिया को 173 रन की बढ़त मिली।

# इन तरीकों से रोज खाएं अंडा धीरे-धीरे कम होने लगेगा वजन

मुंबई ! वजन कम करने में अंडा अहम रोल निभाता है. इसमें प्रोटीन भरपूर मात्रा में पाया जाता है. डायटिशियन के मुताबिक, अंडा खाने से लंबे समय तक पेट भरा-भरा सा रहता है और जल्दी भूख नहीं लगती है. अंडे में प्रोटीन के अलावा कई जरूरी विटामिन और मिनरल्स, जैसे विटामिन कैल्शियम, आयरन और पोटैशियम भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है. अक्सर देखा जाता है कि कुछ लोग साबुत अंडा खाना पसंद करते हैं तो कुछ अंडे के सफेद भाग ही खाते हैं. ऐसे में सवाल उठता है कि वजन घटाने के लिए पूरा अंडा खाना चाहिए या सिर्फ उसका सफेद भाग..

**अंडे की सफेदी या पूरा अंडा क्या खाएं**

डायटीशियन के मुताबिक, जब वजन कम करने पर काम कर रहे हैं तो कैलोरी कम लेना चाहिए. जब आप पूरा अंडा खाते हैं, तो उससे ज्यादा प्रोटीन मिलता है और साथ में कैलोरी और फैट भी शरीर में पहुंचता है. एक पूरा अंडा 5 ग्राम प्रोटीन और 60 कैलोरी देता है. इसके साथ ही कुछ फैट भी मिलता है. वहीं जब आप अंडे का सफेद भाग खाते हैं, तो इसमें कम मात्रा में प्रोटीन हो सकता है और कैलोरी भी कम मिलती है. इसमें फैट भी बिल्कुल नहीं होता है. एक अंडे के सफेद भाग में सिर्फ 3 ग्राम तक प्रोटीन और 20 कैलोरी ही मिलती है. हालांकि, इसमें बाकी जरूरी पोषक तत्व कम होते हैं.

पूरा अंडा या अंडे की सफेदी किससे कम होता है वजन

डायटीशियन के मुताबिक, अगर आप अपना वजन तेजी से कम करने की दिशा में काम कर रहे हैं तो आपको अंडे की सफेदी वाला भाग ही खाना चाहिए. लेकिन सभी अंडो का सफेद भाग ही खाना सही नहीं होगा. इसलिए अगर आप पांच अंडे खा रहे हं तो उनमें से तीन का सफेदी वाला भाग खाएं और दो अंडा पूरा खाएं. इससे शरीर में बाकी पोषक तत्व भी उचित मात्रा में मिल जाएगा और वजन भी नहीं बढ़ेगा. आप चाहें तो उबले हुए अंडे, अंडे की ऑमलेट या चाट बनाकर भी खा सकते हैं. अंडा आप ब्रेकफास्ट में, वर्कआउट के बाद कर सकते हैं. हालांकि, हर दिन अंडे खाने से ही फायदा होगा.

# खाली पेट लहसुन खाना होता है फायदेमंद!

मुंबई । सुबह खाली पेट अक्सर लहसुन खाने की सलाह दी जाती है. खासकर गैस और कुछ छोटी बीमारियों में अक्सर लहसुन खाने की सलाह दी जाती है. आज हम इसके पीछे के कारण के बारे में बताएंगे. सुबह खाली पेट लहसुन खाने के फायदे होते हैं. आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए बताएंगे लहसुन खाने का सही तरीका.

आखिर क्यों दी जाती है खाली पेट लहसुन खाने की सलाह?

खाली पेट लहसुन खाने से हड्डियों और पेट से जुड़ी समस्याएं दूर हो जाती है. खाली पेट कच्चा लहसुन खाने से यौगिक एलिसिन , कोलेस्ट्रॉल कम करने और खून को पतला करने वाली गुण पाया जाता है. खाली पेट खाना काफी ज्यादा फायदेमंद होता है. खाली पेट लहसुन खाने से कई बीमारियों का बचाव होता है. लहसुन कई सारी एंटीबायोटिक से भरपूर होता है. अगर आप खाली पेट लहसुन खाते हैं तो यह शरीर के लिए अधिक प्रभावी होता है. बैक्टीरिया जैसे ही एक्टिव होता है तो लहसुन के इस्तेमाल से वह कंट्रोल में मर जाते हैं.

# प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने झाबुआ से मध्यप्रदेश को 7550 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात दी

## निमाड़ अंचल को दी टंटिया मामा विश्वविद्यालय की सौगात

झाबुआ, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने झाबुआ जिले के ग्राम गोपालपुरा में जनजातीय महा सम्मेलन कार्यक्रम के अवसर पर मध्य प्रदेश को 7550 करोड़ से अधिक के विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण कर सौगात दी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस अवसर पर रेलवे एवं नेशनल हाइवे अथोरिटी ऑफ इंडिया के तहत विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। जिसमें रतलाम रेलवे के 27.15 करोड रूपये से होने वाले पुर्नविकास के अंतर्गत 12 मीटर चौड़ा फूट ओवर ब्रिज का निर्माण होगा, जिससे शहर के दोनों हिस्से का एकीकरण होगा। उन्होंने 25.18 करोड लागत से मेघनगर रेलवे स्टेशन के पुनः विकास कार्य का शिलान्यास किया, जिससे स्टेशन उन्नत होगा तथा रेल यात्रा सुगम होगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 604 करोड रूपये की लागत वाली इन्दौर-देवास-उज्जैन रेलवे लाइन के दोहरीकरण परियोजना का लोकार्पण किया। इसी के साथ प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 236.82 करोड की लागत से निर्मित इटारसी नॉर्थ साउथ ग्रेड सेपरेटर तथा 51 किलोमीटर लंबी बरखेड़ा बुधनी इटारसी लाइन 2137 करोड़ की लागत से निर्मित परियोजना राष्ट्र को समर्पित की। इन परियोजनाओं के अतिरिक्त प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सीएम राइस स्कूल रजला जिला झाबुआ लागत 27 करोड़, लिगेसी वेस्ट डंपिंग ग्राउंड का पुनरुद्धार परियोजना का लोकार्पण 25.19 करोड़ की लागत, तलावड़ा ड्रिंकिंग वाटर परियोजना का लोकार्पण किया। इससे धार एवं रतलाम जिले के 1011 गांवों में पीने के पानी की व्यवस्था होगी। साथ ही प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी इंदौर संभाग के निमाड़ अंचल को 170 करोड़ की लागत से निर्मित होने वाले टंटिया मामा विश्वविद्यालय की सौगात दी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सिंगल क्लिक से प्रधानमंत्री आहार अनुदान योजना की 1 लाख 50 हजार हितग्राहियो को प्रदान की। उन्होंने 1 लाख 75 हजार अधिकार अभिलेख स्वामित्व योजना के अंतर्गत हितग्राहियो को प्रदान किए। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने उक्त परियोजनाओं की चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम में विकास परियोजनाओं पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन हुआ। कार्यक्रम में महामहिम राज्यपाल श्री मंगु भाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, केंद्रीय विकास और इस्पात राज्य मंत्री श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, केंद्रीय जनजातीय कार्य विभाग मंत्री श्री अर्जुन मुंडा, सांसद खजुराहो श्री वी डी शर्मा, सांसद श्री गुमान सिंह डामोर, मध्य प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री श्री कुंवर विजय शाह, महिला एवं बाल विकास विभाग सुश्री निर्मला भूरिया, वन, पर्यावरण एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग मंत्री श्री नागर सिंह चौहान, मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा सहित मध्य प्रदेश शासन के वरिष्ठ अधिकारी गण सहित गणमान्य जन उपस्थित थे।

# नरसिंहगढ़ वाहन दुर्घटना की घटना को लेकर के हुआ बड़ा विवाद

दमोह, बड़ी खबर दमोह से है जहां पर नरसिंहगढ़ में से सीमेंट फैक्ट्री की कॉलोनी के अंदर मासूम बच्ची को अज्ञात गाड़ी ने टक्कर मार दी बताया गया की शिवानी पति लकी साहू निवासी सीता नगर अपनी बच्ची को लेकर माइकेम सीमेंट फैक्ट्री की कॉलोनी में सिलाई सेंटर में सिलाई सीखने के लिए जा रही थी कि अचानक से एक चार पहिया वाहन ने ढाई साल की बच्ची टक्कर टक्कर मार करके फरार हो गई जब फैक्ट्री के कैमरे को चेक कराया गया तो गाड़ी का नंबर एवं गाड़ी की फोटो आई फिर भी पुलिस प्रशासन ने ना गाड़ी पर वरना गाड़ी मालिक पर वरना चालक पर किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं इसके बाद मौके पर उपस्थित लोगों ने बच्ची को जिला अस्पताल पहुंचाया गया कुछ घंटे बाद जिला अस्पताल पहुंची जहां पर डॉक्टर ने वहां उसे मृतक घोषित कर दिया मृतक के परिजनों ने जब पुलिस से शिकायत की तो पुलिस ने 24 घंटे तक किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं कि केवल बातों में ही आश्वासन देती रही तब परिजनों ने मिलकर के धरना प्रदर्शन किया जिसमें हजारों की संख्या में सभी लोगों ने में से सीमेंट फैक्ट्री के यहां सबको रख करके धरना प्रदर्शन किया धरना प्रदर्शन के बाद पुलिस ने समझाया आश्वासन दिया कि हम जांच करके कार्रवाई करेंगे परंतु लेकिन परिजनों का कहना था कि जिसने भी टक्कर मारी है उसको मेरे सामने लाया जाए परंतु ना ही फैक्ट्री के अधिकारी कर्मचारी जवाब दे सके ना पुलिस प्रशासन जवाब दे सकी अचानक से पुलिस प्रशासन ने अपना बल प्रदर्शन किया और धरना प्रदर्शन कर रहे लोगों को धक्का मुका मार के हाईवे से धरना प्रदर्शन हटवा दिया गया किया जिसमें तमाम पुलिस बल था दमोह जिले के पत्रकार भी प्रकाश ना घटनास्थल पर कवरेज करने गए थे तो वहां पर पुलिस प्रशासन के द्वारा वर्षों से वरिष्ठ पत्रकार संतोष मोदी जी को गाली गलौज एवं उनके साथ अभद्रता की गई अब देखना होगा कि अब देखना होगा कि माननीय सीएम डॉक्टर मोहन यादव किस प्रकार की कार्रवाई पुलिस प्रशासन पर करते हैं क्योंकि माननीय सीएम मोहन यादव जी का कहना है कि कर्मचारी जनता की सेवा के परंतु जनता को इस प्रकार से जलील किया गया आखिर देखना होगा किस प्रकार की कार्रवाई की जाएगी.

# भाजपा सरकार ने किसानों को योजनाओं से सीधा लाभ पहुंचाया: दर्शन सिंह चौधरी

## जिला भाजपा कार्यालय में किसान मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष दर्शन सिंह चौधरी का भव्य स्वागत

कटनी, 1भारतीय जनता पार्टी की सरकार केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में किसानों की हर समस्या पर गम्भीरता से विचार कर उसके निदान की सफल कोशिश में जुटी है। किसानों को योजनाओं का लाभ दिलाने मध्यप्रदेश की सरकार पूरी दृढ़ता के साथ प्रतिबद्ध है। यह विचार आज कटनी पहुंचे भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष दर्शन सिंह चौधरी ने किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते व्यक्त किये। कटनी पहुंचने पर जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष दीपक टण्डन सोनी ने श्री चौधरी का स्वागत किया। इस मौके पर मीडिया से बात करते हुए किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि 12 फरवरी से ग्राम परिक्रमा यात्रा के साथ भाजपा कार्यकर्ता किसानों के साथ गांव गांव पहुंच कर किसान भाइयों से उनकी समस्याओं को जानेंगे तथा उनके निदान के यथोचित प्रयास करेंगे। श्री चौधरी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने किसानों को सिर्फ एक वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया किसानों के लिए जरूरी मूलभूत सुविधाओं बिजली पानी खाद बीज को लेकर कभी भी गम्भीर नहीं थी जिसके कारण किसान कभी भी खेती से लाभ नहीं ले पाए केंद्र और प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद किसानों के आर्थिक हालात सुधरे। आज गरीब मध्यमवर्गीय किसान के खाते में किसान सम्मान निधि भाजपा सरकार दे रही है। भूमि के उपजाऊ बनाने की लगातार प्रयास हो रहे हैं जिससे उपज बढ़ी है समर्थन मूल्य पर खरीदी तथा उपज का सही मूल्य सीधे किसानों को मिल रहा है। श्री चौधरी ने कहा कि अगर बिचौलियों से परेशान होने की कोई भी खबर मिलती है तो उस पर सख्त कार्रवाई के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। प्रदेश अध्यक्ष श्री चौधरी ने कहा कि इस बार मध्यप्रदेश में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का सूपड़ा साफ होगा भाजपा प्रदेश में सभी 29 सीटों पर विजय हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि कटनी हमारे यशस्वी प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा का संसदीय क्षेत्र है लिहाजा किसानों की किसी भी समस्या का निदान कराने सांसद जी स्वयं सक्रिय हैं। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष दीपक सोनी टण्डन, महामंत्री सुनील उपाध्याय, किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष कन्हैया तिवारी, कार्यालय मंत्री अम्बरीष वर्मा, जिला मीडिया प्रभारी आशुतोष शुक्ला, उदयभान सिंह, शिवप्रकाश चक्रवर्ती, इंद्र मिश्रा, गुड्डू साहू, दिनेश भदौरिया, श्रीराम पटेल आदि उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन मोर्चा के जिलाध्यक्ष कन्हैया तिवारी ने किया।

### बुंदेली दमोह महोत्सव की शुरुआत 16 फरवरी से

# स्वरश्री, नृत्य श्री और वाद्य श्री प्रतियोगिताओं के ऑडिशन 15 एवं 16 फरवरी को होंगे

दमोह, विगत 8 वर्षों से बुंदेली गौरव न्यास के द्वारा आयोजित बुंदेली दमोह महोत्सव 2024 का आगाज 16 फरवरी से होगा जिसमें विभिन्न कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियां दी जाएगी। बुंदेली दमोह महोत्सव में होने वाली स्वर श्री नृत्य श्री और वाद्य श्री प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं तीनों प्रतियोगिताओं में एकल एवं युगल रूप में ग्रुप ए 5 वर्ष से 10 वर्ष आयु वर्ग, ग्रुप बी में 11 वर्ष से 16 वर्ष आयु वर्ग, ग्रुप सी में 17 वर्ष से 22 वर्ष आयु वर्ग एवं ग्रुप डी में 23 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के प्रतिभागी भाग ले सकते हैं, प्रतियोगिता के आवेदन ओजस्विनी महाविद्यालय, एकलव्य विश्वविद्यालय, विन्नी स्टोर घंटाघर के पास, कपिल स्टेशनरी घंटाघर के पास, गणेश स्टेशनरी वृद्धाश्रम के पास, संगम स्टेशनरी स्टेशन चौराहे के पास से प्राप्त किये जा सकते हैं। तीनों प्रतियोगिताओं के ऑडिशन 15 एवं 16 फरवरी को सुबह 10:00 बजे से दोपहर 4:00 बजे तक मालैया मिल परिसर एवं ओजस्विनी महाविद्यालय में लिए जाएंगे। इच्छुक प्रतिभागी स्वर श्री प्रतियोगिता के लिए अजीत उज्जैनकर, वैभव कैथवास, खेमचंद आठ्या, स्वाति गौर, ओमकार चौरसिया एवं नृत्यश्री प्रतियोगिता के लिए दिनेश प्यासी, भरत राय, भरत भट्ट, यमनी गेडाम एवं वाद्य श्री प्रतियोगिता के लिए अमित चौरसिया, डॉ प्रकाश मिश्रा, गिरीश रावत, नृत्य किशोर शर्मा, विजय नामदेव से संपर्क कर सकते हैं।

# राशि मिलने में दिक्कत हो तो शिकायत करें, निराकरण कराया जायेगा-कलेक्टर मयंक अग्रवाल

दमोह, कलेक्टर मयंक अग्रवाल ने जिले के निवासियों से कहा है कि किसी तरह की राशि उनके द्वारा किसी संस्था आदि में जमा की गई है और राशि प्राप्त करने में परेशानी हो रही है या किसी तरह की दिक्कतें आ रही है तो वह व्यक्ति कलेक्टर कार्यालय में आकर अपनी शिकायत लिखित में दे सकते हैं, उनका निराकरण सुनिश्चित कराया जाएगा। मोबाइल या टेलीफोन से शिकायत के लिए कलेक्टर कार्यालय के हेल्पलाइन नंबर 07812-350300 का उपयोग कर सकते हैं। ज्ञात हो कि कुछ कंपनी लोगों को प्रलोभन देकर राशि जमा कराती है, और बाद में इस तरह की समस्याएं आती है।

# बड़ापुरा में श्री इंडेन गैस एजेंसी के विरुद्ध की गई कार्यवाही

दमोह, कलेक्टर मयंक अग्रवाल के निर्देश पर तहसीलदार मोहित जैन ने आज दमोह के बजरिया वार्ड नंबर 3 बड़ापुरा में श्री इंडेन गैस एजेंसी के विरुद्ध कार्यवाही की है। उन्होंने बताया कि श्री इंडेन गैस एजेंसी का गोदाम हिनौती में है किंतु उनके द्वारा कार्यालय में जो की रहवासी क्षेत्र में है, सिलेंडर की आपूर्ति लोगों को की जा रही थी। यहां पर 251 खाली सिलेंडर और 62 भरे सिलेंडर पाए गए, जिन्हें जब्ती कर एजेंसी को सुपुर्दगी में दिया गया है। इस अवसर पर तहसीलदार मोहित जैन के साथ कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी, उप निरीक्षक चंदन सिंह सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

### प्रसव के दौरान महिला के साथ हुई भारी लापरवाही, बाल-बाल बची महिला की जान

# जिला चिकित्सालय पन्ना में हुई लापरवाही....

अमानगंज, निप्र- नगर अमानगंज के वार्ड क्रमांक 1 से एक महिला की जान उस वक्त जाते-जाते बच गई, जब वह प्रसूता की हालत में थी और एक सामान्य प्रसव देने अमानगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जिला चिकित्सालय पन्ना के लिए रेफर की गई और जिला चिकित्सालय पन्ना के चिकित्सकों द्वारा प्रसव के बाद महिला के इलाज के दौरान महिला के एक कपड़ा ऑपरेशन के समय छोड़ दिया गया और टांके लगाकर उसे अस्पताल से स्वस्थ बताकर मुक्त कर दिया गया और वह अपने घर आ गई। तकरीबन 5 दिन बाद महिला के टांके पकने से उसे दर्द बढ़ा और उसकी हालत बिगड़ी तब पीड़ित महिला के ससुर रामसिंह भट्ट ने अमानगंज स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क किया और एक स्टाफ नर्स को अपने साथ ले जाकर स्थिति का अवलोकन कराया तब स्थिति देखने उपरांत महिला के टांके काटने के बाद उसके अंदर एक कपड़ा पाया गया, जो महिला की जान लेने का कारण बन सकता था। यह कमी और लापरवाही जिला चिकित्सालय में चिकित्सकों के हाथ से कैसे हो गई यह देख सुन हर व्यक्ति था ताज्जुब में है कि आम जनता और इंसान जिसे भगवान की तरह पूजता है वही उनकी जान लेने का कारण इस मामले में बनता दिखाई दिया। ऑपरेशन करने वाली महिला चिकित्सा और नर्से कौन थी यह एक जांच का विषय है जो घटना दिनांक 3 फरवरी 2024 अर्थात जिस तारीख में प्रसूता भारती पति राम कुमार भट्ट का जिला चिकित्सालय में प्रसव हुआ था।

# पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर जिले भर में हुए कार्यक्रम

शाजापुर, एकात्म मानववाद के प्रणेता एवं भाजपा के पितृपुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 56वीं पुण्यतिथि पर जिले के 15 ही मंडलों में पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किए गए इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारी द्वारा पंडित जी के जीवन पर भी प्रकाश डाला गया। भाजपा जिला कार्यालय पर भी पंडित उपाध्याय के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए पार्टी पदाधिकारियों द्वारा बताया गया की नीति निर्धारण में समाज के गरीब से गरीब व्यक्ति के कल्याण का दर्शन पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने 1950 के दशक में दिया था, वह कहा करते थे कि सरकार में बैठे नीति निर्माता को कोई भी नीति बनाते समय यह विचार करना चाहिए कि या नीति समाज के अंतिम व्यक्ति यानी सबसे गरीब व्यक्ति का क्या भला करेगी इसी मंत्र का पालन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार कर रही है। पुष्पांजलि कार्यक्रम में जिला महामंत्री दिनेश शर्मा, संतोष बराड़ा, विपुल कसेरा, विजय जोशी, प्रेम मालवीय, विक्रमसिंह गुर्जर, जितेंद्र मालवीय, राकेश सोलंकी, चेतन मालवीय, अशोक पांचाल आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## नव निर्वाचित मंडल अध्यक्ष का स्वागत किया गया नगर परिषद राजपुर

राजपुर भारतीय जनता पार्टी के नव निर्वाचित मंडल अध्यक्ष कृष्णा धनगरे जी का आज नगर परिषद राजपुर में प्रथम आगमन पर भव्य स्वागत किया गया स्वागत करता सांसद प्रतिनिधि विजय अग्रवाल नगर परिषद अधिकारी सी मो साहब मायाराम सोलंकी जी नगर परिषद पार्षद कालू पटवा जावेद कुरैशी सामाजिक कार्यकर्ता शिवराम जी राठौड़ युवा नेता मनीष निरगुडे लोकेश प्रजापत पूर्व भारतीय जनता पार्टी पार्षद मोटू अब्दुल रजाक समस्त नगर परिषद के स्टाफ द्वारा श्री घीसु भाई दीलवरे माननीय महोदय कृष्णा धनगर जी का राजपुर नगर परिषद द्वारा बहुत ही आत्मीय स्वागत किया गया और उन्हें अपने नगर के विकास के लिए पूर्ण सहयोग देने के लिए अनुशंसा जाहिर की इस स्वागत की बेला में हर कोई महोदय का स्वागत करना चाहता था और उनका स्वागत किया गया हम सब पार्टी के समस्त कार्यकर्ता उनके मंडल अध्यक्ष बनने पर बहुत-बहुत बधाइयां देते हैं स्वागत किया गया और उनसे अपेक्षा की गई कि आपका सहयोग और नगर परिषद के सहयोग से इस नगर का विकास किया जाएगा जिसमें आपका सहयोग हम सब भारतीय जनता पार्टी के एक परिवार के सदस्य अपने पदों का सदुपयोग कर हम हमारे नगर का विकास और उत्थान में सक्रिय सहयोग प्रदान करेंगे।

## मंत्री ने काफिला रोककर घायल महिला को पहुंचवाया अस्पताल

दमोह, तेजगढ़ थाना अंतर्गत ग्राम परासई में ऑटो से बांदकपुर धाम जा रहे यात्रियों का ऑटो अनियंत्रित होकर रोड़ के नीचे जा पहुंचा तभी क्षेत्र के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने जा रहे प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास तथा धर्मस्व राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेंद्र सिंह लोधी अपने काफिले के साथ झलौन जा रहे थे। तभी उन्होंने घायल पड़े व्यक्तियों देख काफिले को रुकवाया और घायल पड़े मरीज को तुरंत 108 की सहायता से जिला अस्पताल पहुंचवाया।

# आयु का मसला बना बाइडेन के लिए खतरा, ट्रम्प को मिल रहा सपोर्ट

**नेशनल डेस्क-** अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन की प्रशंसा तुर्की का नेतृत्व अच्छे से करने के लिए की है। उन्हें निकी हेली और नेंसी पेलोसी को लेकर भ्रम हो चुका है। दूसरी तरफ राष्ट्रपति बाइडेन ने अपने समकालीन नेताओं का जिक्र करते हुए उनके नाम लेने की बजाय यूरोप के मूत नेताओं ओं का नाम लिया है। उन्होंने मिस्र को मेक्सिको बताया है। इन घटनाओं ने दोनों नेताओं की आयु और मानसिक जागरुकता पर चिंता पैदा की है। 81 साल के बाइडेन की बढ़ती आयु को लेकर अमेरिकी बोटर चिंतित हैं। उनकी क्षमता पर संदेह जताया जा रहा है। वहीं 77 वर्ष के ट्रम्प ने इस तरह का राजनीतिक आपात महसूस नहीं किया है। दोनों नेताओं के बारे में अमेरिकी जनता और उनके समर्थकों की प्रतिक्रिया इस स्थल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में आम् भूमिका निभा सकती है। छह निर्णायक राज्यों में न्यूयॉर्क टाइम्स/सिएना कॉलेज सर्वेक्षण में अधिकतर वोटरों ने आइडेन की आयु पर गंभीर चिंता जाहिर की है। 70 प्रतिशत का कहना है, राष्ट्रपति पद के हिसाब से वे बहुत बुजुर्ग हैं। आधे से कम वोटरों ने ट्रम्प के बारे में ऐसी राय व्यक्त की है। विस्कॉन्सिन के डेमोक्रेट सांसद मार्क पोकन कहते हैं, दोनों उम्मीदवारों के बीच साढ़े तीन साल का ही अंतर है लेकिन एक पक्ष के संबंध में आयु का मुरा ज्यादा जोर पकड़ रहा है। यह चिंता को बात है। दरअसल, शारीरिक स्थिति और हावभाव ने चिंताओं को जन्म दिया है। बाइडेन की आवाज धीमी और कर्कश हो गई है। उनके बाल पतले और सफेद हैं। वे लंबे और छरही है लेकिन 2019 और 2020 की तुलना में ज्यादा चौकजे होकर चलते हैं। अवास उनके शरीर का ऊपरी हिस्सा कड़ा रहता है। इससे कमजोरी का आभास होता है। ये सार्वजनिक रूप से लड़खड़ा चुके हैं। वे एक बार साइकल से गिर गए थे और रेत की बोरी पर फिसल गए थे। बाइडेन के मुकाबले ट्रम्प पर बढ़ती आयु के प्रभाव एकदम सामने नजर नहीं आते हैं। ट्रम्प अक्कर अपने बाल डाई करते हैं। ये लंबे और भारी बदन के हैं और भीड़ के सामने अपने शारीरिक गठन को ताकत के बतौर पेश करते हैं। जब वे रैलियों में स्टेज पर आते हैं तो कई मिनट तक भीड़ की प्रतिक्रिया का आनंद लेते हैं। किस्सी गाने पर डांस करते है। फिर मर्दाना अंदाज की झलक दिखाने वाला उनका भाषण एक घंटे से ज्यादा चलता है। में इस तरह अपना स्टेमिना दिखाते हैं। लीडरशिप कोच कैरोल किसे गोमन कहती हैं, आपके संवाद बनाने के तरीके से धारणा बनती है। जब ट्रम्प कोई गलती करते हैं तो फौरन आगे बढ़ जाते हैं। इसलिए लोग नहीं कहते कि वे बुजुर्ग हो रहे हैं। ट्रम्प भी जो बाइडेन के समान गलतियां करते हैं लेकिन वे ऐसा बेखोफ अंदाज में करते हैं। इसलिए नहीं लगता कि उन पर बुढ़ापा हावी है। गोमन कहती हैं, बाइडेन कमजोरी का अहसास कराते हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी और रिपब्लिकन पार्टी के कुछ नेताओं का कहना है, आपसी बातचीत में बाइडेन सजग रहते हैं। बाइडेन और ट्रम्प ने अपने स्वास्थ्य पर सीमित जानकारी सार्वजनिक की है। डेमोक्रेट्स और बाइडेन समर्थक कहते हैं, दोनों लोगों का स्तर एकदम अलग है। राष्ट्रपति रहते ट्रम्प की फिटनेस पर सवाल उठ चुके हैं राष्ट्रपति रहते ट्रम्प के स्वास्थ्य और फिटनेस पर सवाल उठ चुके हैं। ये लंबी और असंगत टिप्पणियां करते हैं और भूलते हैं। ट्रम्प ने कहा था कि उन्होंने 2016 के राष्ट्रपति चुनाव में हिलेरी क्लिंटन नहीं बल्कि बराक ओबामा को हराया था। उन्हें राष्ट्रपति भवन में एक रैम्प पर रुक-रुककर चलते दिखाया गया था। उन्हें पानी का गिलास पकड़ने में कठिनाई हो रही थो। इन दिनों ट्रम्प बुढ़ापे के लिए नियमित रूप से बाइडेन की हंसी उड़ाते हैं। जबकि दावा करते हैं कि वे संज्ञान की क्षमता में गिरावट का पता लगाने वाला टेस्ट कर चुके हैं।

### भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत

# कतर की जेल से रिहा किए गए 8 पूर्व नौसैनिक, मिली थी मौत की सजा

**इंटरनेशनल डेस्क:** भारत को बड़ी कूटनीतिक जीत मिली है। कतर ने आठ भारतीय पूर्व नौसैनिकों को रिहा कर दिया है। वे जासूसी के आरोपों का सामना कर रहे थे। उन्हें मौत की सजा सुनाई गई थी। भारत के अनुरोध पर उनकी सजा को कतर के अमीर ने पहले ही कम कर दिया था और उम्रकैद में बदल दिया था। अब विदेश मंत्रालय ने बताया कि उन्हें रिहा कर दिया गया है और इनमें सात पूर्व नौसैनिक भारत भी लौट आए हैं। नौसेना के पूर्व कर्मियों के चिंतित परिजनों द्वारा उनकी रिहाई और उनकी मातृभूमि में सुरक्षित वापसी की गुहार के बीच, विदेश मंत्रालय (एमईए) ने आश्वासन दिया था कि वह सभी राजनयिक चैनलों के जरिए उन्हें वापस लाने के लिए कानूनी सहायता की व्यवस्था करेगा। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान के माध्यम से जानकारी दी कि आठ पूर्व नौसेना अधिकारियों में से सात पहले ही भारत लौट चुके हैं। केंद्र सरकार ने एक आधिकारिक बयान जारी कर अनुभवी अधिकारियों को रिहा करने के फैसले का स्वागत करते हुए कहा, भारत सरकार दाहरा ग्लोबल कंपनी के लिए काम करने वाले आठ भारतीय नागरिकों की रिहाई का स्वागत करती है, जिन्हें कतर में हिरासत में लिया गया था। उनमें से आठ में से सात भारत लौट आए हैं। हम इन नागरिकों की रिहाई और घर वापसी को सक्षम करने के लिए कतर राज्य के अमीर के फैसले की सराहना करते हैं।

# पाकिस्तान में मारा गया आईएसआईएस गिरोह का सरगना, भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

**पेशावर:** पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के अशांत खैबर जिले में खुफिया सूचना पर आधारित अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने प्रतिबंधित संगठन दाएश से जुड़े एक आतंकवादी सरगना को मार गिराया। पाकिस्तानी सेना ने रविवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तानी सेना के मीडिया प्रकोष्ठ इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के मुताबिक इलाके में एक हाई-प्रोफाइल आतंकवादी की कथित मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने एक अभियान चलाया। सेना ने एक बयान में कहा कि भीषण गोलीबारी के बाद, दाएश (इस्लामिक स्टेट) के हाई-प्रोफाइल आतंकवादी सरगना% सूरत गुल उर्फ सैफुल्लाह को मार गिराया गया। आईएसपीआर के मुताबिक मारे गए आतंकवादी सरगना के पास से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक भी बरामद किए गए, यह कई आतंकवादी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहा था। कानून प्रवर्तन एजेंसियों को इसकी लंबे समय से तलाश थी।

### दक्षिण अफ्रीका में भीषण सड़क हादसा

# दो कारों की आपसी टक्कर में 7 लोगों की दर्दनाक मौत

**जोहान्सबर्ग:** दक्षिण अफ्रीका के सबसे उत्तरी प्रांत लिम्पोपो प्रांत के वॉटरबर्ग में रविवार को दो कारों की आमने-सामने की टक्कर में सात लोगों की मौत हो गई। प्रांत के परिवहन एवं सामुदायिक सुरक्षा विभाग ने यह जानकारी दी। विभाग ने आज बयान जारी करके कहा कि यह दुर्घटना वॉटरबर्ग जिले में आर101 में हुई। परिवहन एवं सामुदायिक सुरक्षा के लिए कार्यकारी परिषद के सदस्य फ्लोरेंस रैडज़लिानी ने शोक संतप्त परिवारों को शोक संदेश भेजे और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। विभाग ने कहा, दक्षिण अफ्रीकी पुलिस सेवा वाहन के चालक को अस्पताल ले गयी और फिलहाल उसका इलाज चल रहा है। इस दुर्घटना की वजह का अभी भी तक पता नहीं चल पाया है और फिलहाल इसकी जांच की जा रही है। उन्होंने प्रांतीय सड़कों पर दुर्घटनाओं को कम करने के लिए लोगों से यात्राओं के दौरान अतिरिक्त सावधानी बरतने की भी अपील की है।

# आज श्रीलंका और मॉरीशस में लॉन्च होगा यूपीआई मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बनेंगे गवाह

**नेशनल डेस्क:** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जुगनाथ सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए श्रीलंका और मॉरीशस में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) सेवाओं के शुभारंभ के गवाह बनेंगे। भारतीय उच्चायोग ने रविवार को एक बयान में कहा यूपीआई सेवाओं की शुरुआत से श्रीलंका और मॉरीशस की यात्रा करने वाले भारतीय नागरिकों के साथ ही भारत की यात्रा करने वाले इन देशों के नागरिकों को सुविधा होगी। यान में कहा गया, भारत फिनटेक इनोवेशन और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना में अग्रणी के रूप में उभरा है। प्रधानमंत्री ने हमारे विकास अनुभवों और नवाचार को सहयोगी देशों के साथ साझा करने पर जोर दिया है। बयान के मुताबिक श्रीलंका और मॉरीशस के साथ भारत के सुदृढ़ सांस्कृतिक और आपसी संबंधों को देखते हुए, यूपीआई सेवाओं के शुभारंभ से तीव्र और निर्बाध गति से डिजिटल लेन-देन संभव होगा। इससे दोनों देशों के लोग लाभान्वित होंगे और आपसी डिजिटल संपर्क बढ़ेगा। मॉरीशस में रुपेकार्ड सेवाओं के विस्तार से वहां के बैंक भारत और मॉरीशस दोनों देशों में निपटान के लिए रुपेकार्ड के उपयोग की सुविधा दे सकेंगे।

# कनाडा की 12 मंजिला इमारत में लगी आग बालकनी में छुपा शख्स बुरी तरह झुलसा

**टोरंटो-** कनाडा के टोरंटो शहर में रविवार शाम एक ऊंची इमारत में आग लगने से एक व्यक्ति बुरी तरह झुलस गया। पुलिस के मुताबिक आग शाम 5:41 बजे शेरबोर्न स्ट्रीट और शूटर स्ट्रीट इलाके में लगी। टोरंटो फायर का कहना है कि 12 मंजिला इमारत आग की लपटों में पूरी तरह घिर गई । उस समय एक व्यक्ति बालकनी पर छिपा हुआ था। पुलिस का कहना है कि शख्स को अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। दमकलकर्मियों ने कुछ देर के लिए आग पर काबू पा लिया। फिलहाल इलाके में दहशत का

# अमेरिकी रक्षा मंत्री ऑस्टिन फिर अस्पताल में भर्ती

### उप रक्षा मंत्री को सौंपे अपने अधिकार

**वाशिंगटन:** अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन को ''ब्लैडर (मूत्राशय) में समस्या से संबंधित लक्षणों के कारण रविवार को फिर से अस्पताल में भर्ती कराया गया। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन ने यह जानकारी दी। ऑस्टिन के दिसंबर में प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित होने का पता चला था। पेंटागन ने एक बयान में कहा कि ऑस्टिन को उनका सुरक्षा दस्ता दोपहर दो बजकर 20 मिनट के आसपास वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर ले गया। ऑस्टिन की शुरू में ''अपने कार्यालय के कार्यों को पूरा करने की योजना थी, लेकिन रविवार शाम लगभग पांच बजे उन्होंने अपने अधिकार उप रक्षा मंत्री कैथलीन हिक्स को सौंप दिए। पेंटागन के प्रेस सचिव मेजर जनरल पैट राइडर ने बताया कि रविवार शाम तक ऑस्टिन अस्पताल में भर्ती थे। ऑस्टिन के स्वास्थ्य के बारे में ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष के साथ-साथ व्हाइट हाउस और कांग्रेस को भी सूचित किया गया था। ऑस्टिन मंगलवार को यूक्रेन संपर्क समूह की बैठक आयोजित करने के लिए ब्रसेल्स के लिए प्रस्थान करने वाले थे। उन्होंने 2022 में रूस के आक्रमण के बाद कीव के लिए सैन्य समर्थन के समन्वय के वास्ते इस बैठक की योजना बनायी थी। उसके बाद ऑस्टिन के नाटो रक्षा मंत्रियों की एक नियमित बैठक में भाग लेने का कार्यक्रम था। यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया कि क्या ऑस्टिन के अस्पताल में भर्ती होने से इन योजनाओं में बदलाव आएगा। ऑस्टिन को दिसंबर में प्रोस्टेट कैंसर का पता चला था और 22 दिसंबर को इसके इलाज के लिए उन्हें प्रोस्टेटक्टोमी नामक एक प्रक्रिया से गुजरना पड़ा था। बाद के सप्ताह में उनमें जटिलताएं पैदा हो गईं और एक जनवरी को अत्यधिक पीड़ा के कारण उन्हें एम्बुलेंस के जरिए द्वारा वाल्टर रीड ले जाया गया जहां उन्हें गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया गया। ऑस्टिन 15 जनवरी तक वाल्टर रीड में रहे। फिर उन्होंने स्वस्थ्य लाभ लेते हुए घर से काम करना जारी रखा और वह 29 जनवरी को पेंटागन लौट आए।

# हमास का दावा- गाजा के रफा शहर में इजराइली नरसंहार में 100 लोगों की मौत

### 14 लाख फिलीस्तीनियों ने छोड़ा घर

**इंटरनेशनल डेस्क:** अमेरिका की चेतावनी के बावजूद इजराइल द्वारा गाजा पट्टी के दक्षिणी शहर रफा में सोमवार सुबह कई हमले किए गए। हमास ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि रफा शहर पर नाजी कब्जे वाली सेना का हमला नागरिकों और विस्थापित बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के खिलाफ भयानक नरसंहार है जिसमें अब तक 100 से अधिक लोगों की जान चली गई है। हमास ने दावा किया है कि दक्षिणी गाजा शहर रफा पर इजरायल का हमला फिलिस्तीनी लोगों के खिलाफ छेड़े गए नरसंहार युद्ध और जबरन विस्थापन के प्रयासों की निरंतरता है। रफ़ा शहर पर दुश्मन की आतंकवादी सेना का हमला एक संयुक्त अपराध है और हमारे लोगों के खिलाफ किए जा रहे नरसंहारों के दायरे का विस्तार है। हमास ने कहा कि चार महीने से जारी इजराइल-हमास युद्ध में गाजा पट्टी में यह शहर जिन दुखद स्थितियों का सामना कर रहा है, उन्हें देखते हुए करीब 14 लाख फिलीस्तीनी अपने घरों को छोड़कर जा चुके हैं। उधर, इजराइल ने संकेत दिया है कि गाजा में उसके जमीनी अभियान के तहत मिस्र की सीमा पर स्थित घनी आबादी वाले इस शहर को निशाना बनाया जा सकता है। वहीं, व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने रविवार को इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से कहा है कि इजराइल को आम नागरिकों की सुरक्षा की ठोस योजना के बिना गाजा के घनी आबादी वाले रफह शहर में सैन्य अभियान शुरू नहीं करना चाहिए। रफा में एक पत्रकार ने बताया कि सोमवार सुबह कुवैत हॉस्पिटल के आसपास हमले किए गए। घायलों में से कुछ लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इजराइली सेना ने कहा कि उसने रफा के ''शबौरा इलाके में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। सैन्य बयान में कहा गया है कि कई हमले किए गए लेकिन उसने यह नहीं बताया कि किन ठिकानों को निशाना बनाया गया या इससे कितना नुकसान पहुंचा है। फिलीस्तीन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने अभी हताहतों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। मिस्र के दो अधिकारियों और एक पश्चिमी राजनयिक ने कहा था कि मिस्र ने चेतावनी दी है कि अगर इजराइली सैनिकों को रफह में भेजा जाता है तो वह इजराइल के साथ अपना शांति समझौता निलंबित कर देगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569